राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 07 जून 2025 वर्ष-8,अंक-108 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

# पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज पर लहराया तिरंगा, देश को दी बड़ी सौगात

**जम्मू।**

जम्मू कश्मीर में केंद्र की मोदी सरकार लगातार बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और आवागमन के बेहतर साधन जुटाने में लगी हुई है। ऐसे ही प्रयासों के बीच आज पीएम नरेंद्र मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज की ऐतिहासिक सौगात दी है। इससे पहले उन्होंने ब्रिज पर पहुंचकर भारत का गौरव तिरंगा लहराया और ब्रिज को काफी देर तक निहारा। पहलगाम हमले के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी ने ब्रिज के जरिए जम्मू और श्रीनगर दशकों के बाद रेल लिंक से जुड़ गया है। कई साल पहले घाटी को देश के अन्य हिस्सों से रेल नेटवर्क से जोड़ने का सपना देखा गया था। अब जाकर वह साकार हुआ है। इससे कश्मीर वैली में न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि व्यवसाय-कारोबार को भी नए पंख मिलने की उम्मीद है।

चिनाब ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा रेल आर्च ब्रिज है। यह भूकंप के लिहाज से जोन-5 में स्थित है। यह ब्रिज दो पहाड़ों के बीच बना है, जहां तेज हवाओं की वजह से विंड टनल फिनोमेना देखा जाता है। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए ब्रिज को 260 किलोमीटर प्रति घंटा की हवा की गति का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है। वैष्णव ने बताया कि इस ब्रिज के निर्माण में नींव और मेन स्ट्रक्चर को जोड़ने में कई जटिल चुनौतियों का सामना करना पड़ा। प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाते हुए इन चुनौतियों को पार किया गया, जिससे यह परियोजना न केवल तकनीकी, बल्कि पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी अनूठा है। चिनाब और अंजी ब्रिज के निर्माण में भारतीय इंजीनियरों की तकनीकी विशेषज्ञता और इनोवेशन का प्रदर्शन हुआ है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को देश के अन्य हिस्सों से रेलवे

लाइन के माध्यम से जोड़ना सदियों पुराना सपना था, जो अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और अथक प्रयासों से साकार हो रहा है।

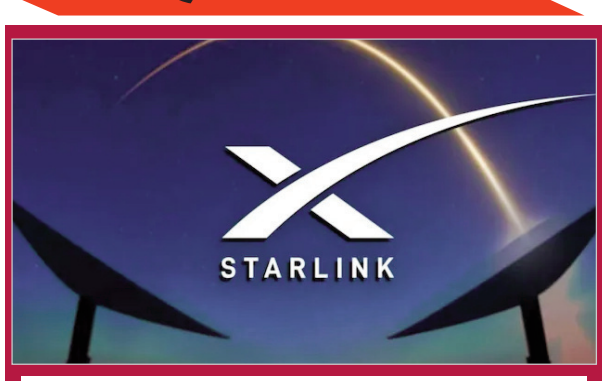


## भारत में जल्द मिलेगी स्टारलिंक की इंटरनेट सर्विस

**इलॉन मस्क की कंपनी को टेलीकॉम मिनिस्ट्री की मंजूरी**

**नई दिल्ली।**

इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस भारत में ऑपरेट करने के लिए टेलीकॉम डिपार्टमेंट का लाइसेंस मिल गया है। अब उसे सिर्फ इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर के अप्रूवल का इंतजार है। रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है। स्टारलिंक तीसरी कंपनी है जिसे भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस ऑपरेट करने का लाइसेंस मिला है। इससे पहले भारती के वनवेब और रिलायंस जियो को देश के भीतर अपनी सर्विस देने के लिए मंजूरी दी गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्टारलिंक भारत में 840 रुपए में महीनेभर अनलिमिटेड डेटा देगा।

**स्टारलिंक के प्रमोशनल प्लान में अनलिमिटेड डेटा**

स्पेसएक्स भारत में अपनी स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सर्विसेज मंथली 10 डॉलर यानी लगभग 840 रुपए से कम कीमत वाले शुरुआती प्रमोशनल अनलिमिटेड डेटा प्लान से शुरू करेगा। स्टारलिंक समेत सैटेलाइट कम्यूनिकेशंस कंपनियों का टारगेट अपने यूजर बेस को तेजी से बढ़ाना है। यह मिड-टू-लॉन्ग टर्म में 10 मिलियन यानी 1 करोड़ कस्टमर तक पहुंच सकता है। इससे कंपनियों को भारी स्पेक्ट्रम कॉस्ट की भरपाई करने में मदद मिलेगी।

सस्पेंड एएसपी के घर हथियार बरामद

समस्तीपुर(ईएमएस)। समस्तीपुर में सस्पेंड एएसपी सरोज सिंह के घर से भारी मात्रा में गोला-बारूद मिला है। शुक्रवार को एसटीएफ की टीम और जिला पुलिस की टीम सरोज सिंह के घर रेड करने पहुंची। पुलिस टीम को देखते ही सरोज की ओर से फायरिंग शुरू कर दी गई। फिर एसटीएफ की ओर से भी जवाबी फायरिंग की गई। छापेमारी के दौरान घर से करीब 500 राउंड जिंदा कारतूस और हथियार बरामद किए गए हैं। मामला मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गंगा दियारा का है। पुलिस ने सरोज सिंह समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।

## सस्पेंड एएसपी के घर हथियार बरामद

**समस्तीपुर।**

समस्तीपुर में सस्पेंड एएसपी सरोज सिंह के घर से भारी मात्रा में गोला-बारूद मिला है। शुक्रवार को एसटीएफ की टीम और जिला पुलिस की टीम सरोज सिंह के घर रेड करने पहुंची। पुलिस टीम को देखते ही सरोज की ओर से फायरिंग शुरू कर दी गई। फिर एसटीएफ की ओर से भी जवाबी फायरिंग की गई। छापेमारी के दौरान घर से करीब 500 राउंड जिंदा कारतूस और हथियार बरामद किए गए हैं। मामला मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गंगा दियारा का है। पुलिस ने सरोज सिंह समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।

## बलात्कारी एनकाउंटर में ढेर

**लखनऊ।**

लखनऊ में ढाई साल की बच्ची से दरिंदगी के आरोपी को पुलिस ने एनकाउंटर में मार गिराया। शुक्रवार तड़के देवी खेड़ा इलाके में गन्ना संस्थान के पास पुलिस ने आरोपी दीपक वर्मा (24) को घेर लिया। पुलिस को देखते ही उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके सीने में 2 गोली लगी। आलमबाग थाना पुलिस उसे नजदीकी अस्पताल ले गई। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। 5 जून की रात आरोपी आलमबाग मेट्रो स्टेशन के नीचे मां-बाप के साथ सो रही बच्ची का मुंह दबाकर उठा ले गया था। रात करीब ढाई बजे मेट्रो स्टेशन की लिफ्ट के पास ले जाकर मासूम के साथ दरिंदगी की। बच्ची जब बेहोश हो गई तो उसे मरा समझकर वहां छोड़कर भाग गया।

# राम मंदिर निर्माण में अब तक लग चुका है 50 करोड़ का सोना

**अयोध्या।**

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण में 45 किलोग्राम खरा सोने का इस्तेमाल किया गया, जिसकी कीमत करीब 50 करोड़ रुपए है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि मंदिर में कुल 45 किलोग्राम खरा (24 कैरेट) सोने का इस्तेमाल किया गया है। बृहस्पतिवार को राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर भगवान राम, देवी सीता और भाई लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न तथा राम भक्त हनुमान से सजे राम दरबार की पूरे विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। मिश्रा ने बताया कि मंदिर में इस्तेमाल किये गए सोने का अनुमानित मूल्य लगभग 50 करोड़ रुपये है। मंदिर के भूतल पर बने दरवाजों और भगवान राम के सिंहासन में बड़े पैमाने पर सोने का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा, शेषावतार मंदिर में सोने का काम अब भी जारी है। उन्होंने बताया कि राम मंदिर के मुख्य ढांचे का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन संग्रहालय, सभागार और अतिथि गृह समेत मंदिर परिसर के अन्य हिस्से अभी निर्माणाधीन हैं। इनका काम दिसंबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। मिश्रा ने कहा कि गुरुवार को राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद, अब वहां लोगों के पहुंचने की व्यवस्था की जा रही है। फिलहाल, केवल सीमित संख्या में ही श्रद्धालुओं को राम दरबार में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। इसके लिए श्रद्धालुओं को पास लेने होंगे जो निःशुल्क जारी किए जाएंगे। राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव चंपत राय ने कहा कि बृहस्पतिवार को मंदिर में सात विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह सम्पन्न हुआ। उन्होंने

कहा कि गर्भगृह के ऊपर स्थित पहली मंजिल पर स्थापित मूर्तियों में बीच में राम दरबार, उत्तर-पूर्वी कोने में शिवलिंग, दक्षिण-पूर्वी कोने में गणपति, दक्षिणी भाग के मध्य में हनुमान, दक्षिण पश्चिमी कोने में सूर्य, उत्तर-पश्चिमी कोने में भगवती और उत्तरी भाग के मध्य में अन्नपूर्णा माता शामिल हैं। राय ने कहा कि भीषण गर्मी और धूप से बचने के लिए की गई सीमित व्यवस्थाओं के कारण कई श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

## मणिपुर में आठ उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

**इंफाल।** मणिपुर के इंफाल पश्चिम और बिष्णुपुर जिलों से सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के आठ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि घारी माखा लेईकोई क्षेत्र से प्रतिबंधित 'यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलीपाक' (यूपीपीके) के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया, जबकि प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के चार सदस्यों को ताओथोंग खुनौ और बिष्णुपुर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बिष्णुपुर के वांगू अहलुप मयई लीकाई में पीआरईपीएके (प्रो) के एक सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि कुछ उग्रवादियों के पास से पिस्तौल सहित हथियार और गोलाबारूद भी बरामद किया गया। राज्य में जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए खुफिया जानकारी के आधार पर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं।

## उत्तराखंड में हाईवे किनारे ट्रामा सेंटर बनने की मांग पकड़ रही जोर

**देहरादून।** उत्तराखंड में सड़क दुर्घटनाओं का ग्राफ बढ़ रहा है। इसके साथ ही होने वाली मौत का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। इसके बाद मोदी सरकार ने सभी राज्यों से अपने यहां हाईवे पर हर 100 मीटर पर ट्रामा सेंटर बनाने के निर्देश दिए थे। उत्तराखंड में ट्रामा सेंटर बने, लेकिन जिला चिकित्सालयों में तैयार हुए है। इसमें से अधिकांश हाईवे से दूर हैं। यह देखकर राज्य स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति ने स्वास्थ्य विभाग को पत्र लिखकर हाईवे किनारे ट्रामा सेंटर बनने को कहा है।सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को समय से मदद मिलने पर उनकी जान बचाई जा सकती है। इसके लिए एक शब्द इस्तेमाल किया गया है और वह है स्वर्णिम समय यानी गोल्डन आवर। विशेषज्ञ मानते हैं कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को यदि दुर्घटना के पहले घंटे में इलाज मिल जाए, तब उसकी जान बचने की संभावना काफी अधिक बढ़ जाती है।

## अरवल शहर में ग्रीनफील्ड बायपास बनाने की स्वीकृति

**अरवल।** सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा अरवल शहर में 12.8 किलोमीटर लंबे ग्रीनफील्ड बायपास बनाने की स्वीकृति मिली है। बायपास निर्माण में छह अरब से ज्यादा रुपए खर्च होने है। शहर के बाहर बायपास बनाने की मांग स्थानीय लोग कई वर्षों से कर रहे थे। लोगों की मांग पर राजमार्ग मंत्रालय ने इसकी मंजूरी दी है। पटना-औरंगाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पर वाहनों के भारी दबाव के कारण शहर में हमेशा जाम की स्थिति बनाती है। इससे निपटने के लिए पथ निर्माण विभाग ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को बायपास निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा था। शहर के भगत सिंह चौक के समीप तीन मोहानी मोड़ रहने के कारण प्रत्येक दिन रुक-रुक कर सड़क जाम की समस्या होती है।

# आंतकी तहव्वुर राणा की न्यायिक हिरासत बढ़ी

**नई दिल्ली।**

दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने आंतकी तहव्वुर राणा की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। राणा की अगली कोर्ट पेशी 9 जुलाई को होगी। इसका अर्थ है कि राणा को अब 9 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में रहना होगा। शुक्रवार को सुरक्षा कारणों से आंतकी राणा को वर्चुअल मोड के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। राणा के वकील ने उसके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जाहिर की है। दलीलों पर गौर करते हुए कोर्ट ने तिहाड़ के अधिकारियों को 9 जून तक मामले पर स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

सुनवाई के दौरान राणा ने अपने परिवार से बातचीत करने की इच्छा जाहिर की है। बताया गया हैं

कि मास्टरमाइंड राणा ने परिवार से बातचीत के लिए कोर्ट में याचिका भी दायर की थी। राणा की अर्जी पर कोर्ट 9 जून को सुनवाई करेगा। जब राणा को एनआईए ने हिरासत में लिया गया तब उसने परिवार से बात करने की इच्छा जाहिर की थी। राणा के वकील ने तर्क दिया था कि एक विदेशी नागरिक के तौर पर राणा का यह मौलिक अधिकार है कि वह अपने परिवार से बातचीत करे। राणा का परिवार उसकी भलाई को लेकर चिंतित है।

इसके पहले 24 अप्रैल को विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने राणा की अपने परिवार से बात करने की अनुमति मांगने वाली याचिका को खारिज किया था। एनआईए द्वारा उसकी याचिका का विरोध करने के बाद अदालत ने यह फैसला सुनाया था।

## प्रियांक खड़गे का बयान, हमारी सरकार किसी को भी बलि का बकरा नहीं बना रही

**बेंगलुरु।**

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने बेंगलुरु में हुई भगदड़ की घटना पर टिप्पणी कर कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित किया गया है और मामले की जांच के लिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं। खड़गे ने कहा कि जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। हमारी सरकार ने किसी को बलि का बकरा नहीं बनाया है। भाजपा की आलोचना का जवाब देकर खड़गे ने पलटवार कर कहा कि भाजपा चाहती है कि सीएम, डीसीएम और गृह मंत्री इस्तीफा दें, इसके हिसाब से, योगी आदित्यनाथ इस्तीफा दे, पहलगाम हमले के लिए अमित शाह इस्तीफा दे, विदेश नीति की विफलता के लिए एस जयशंकर को इस्तीफा और पूरे देश को गुमराह करने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि क्या कुंभ मेले में भगदड़ नहीं मची? हमें यह भी नहीं पता कि कितने लोग मारे गए। हम कम से कम अपनी गलती स्वीकार कर रहे हैं और जिम्मेदारी ले रहे हैं... हम हताहतों की संख्या नहीं छिपा रहे हैं। उन्होंने माना कि राज्य सरकार बेहतर योजना बना सकती थी, हां, हम बेहतर योजना बना सकते थे और चीजों को बेहतर तरीके से कर सकते थे, और हम इस पर विचार कर रहे हैं...।

## 20 दिन में 93 से 5364 हुए कोरोना केस, 55 मौतें

**24 घंटे में 500 नए मामले; ओडिशा के स्कूलों में मास्क अनिवार्य**

**-नई दिल्ली/मुंबई।**

देश में कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, पिछले 20 दिन में केसों की संख्या में 58 गुना की बढ़ोतरी हुई है। 16 मई को देशभर में कोविड के 93 एक्टिव केस थे, जिनकी संख्या अब 5364 पहुंच गई है। कोरोना 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैल गया है। बीते 24 घंटे में 500 नए मामले सामने आए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1679 मामले हैं। इसके बाद गुजरात में 615, पश्चिम बंगाल में 596, दिल्ली में 592 और महाराष्ट्र में 548 एक्टिव केस हैं। कोरोना के नए वैरिएंट्स से जनवरी से अब तक 55 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से 53 की मौत 15 दिनों में हुई हैं। गुरुवार को दिल्ली में कोविड से दो और मौतें दर्ज की गईं। इनमें एक पांच महीने का बच्चा भी शामिल है। वहीं,

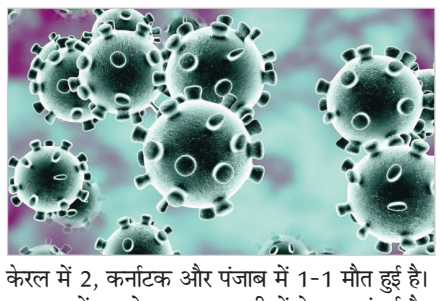

केरल में 2, कर्नाटक और पंजाब में 1-1 मौत हुई है। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 17 मरीजों ने जान गंवाई है। ओडिशा में गर्मी की छुट्टियों के बाद स्कूल कोविड गाइडलाइन के तहत खोले गए हैं। शिक्षा मंत्री नित्यानंद गोंड ने बताया कि जिन बच्चों को सर्दी, खांसी या बुखार जैसे हल्के लक्षण हैं, उन्हें स्कूल में मास्क पहनना अनिवार्य है। गंभीर लक्षण वाले बच्चों को घर पर ही रहकर आइसोलेट होने की सलाह दी गई है।

# बेंगलुरु भगदड़...अब सरकार एक्शन में

**सीएम सिद्धारमैया ने पॉलिटिकल सेक्रेटरी को हटाया**

**-सूचना विभाग के प्रमुख का ट्रांसफर; आरसीबी मार्केटिंग हेड, इवेंट कंपनी के 3 अधिकारी हिरासत में**

**बेंगलुरु।**

बेंगलुरु भगदड़ मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को एक और बड़ी कार्रवाई की है। राज्य सरकार ने सीएम के पॉलिटिकल सेक्रेटरी के. गोविंदराज को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त कर दिया है। वहीं सूचना विभाग के प्रमुख हेमंत निंबालकर का ट्रांसफर कर दिया गया है। सिद्धारमैया ने गुरुवार को बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर बी दयानंद समेत 8 अफसरों को सस्पेंड किया था। इधर, बेंगलुरु पुलिस ने आरसीबी के सीनियर मार्केटिंग हेड निखिल सोसाले को एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया है। निखिल मुंबई भागने की तैयारी में था।

इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के 3 अधिकारियों को भी हिरासत में लिया गया है। इन अधिकारियों की पहचान किरण, सुमंथ और सुनील मैथ्यू के रूप में हुई है। कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के दो अधिकारी- सचिव शंकर और कोषाध्यक्ष जयराम फरार हैं।

केएससीए के अफसरों की गिरफ्तारी पर रोक

दूसरी तरफ, कर्नाटक हाईकोर्ट ने कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) को 16 जून तक गिरफ्तारी से राहत दे दी है। केएससीए ने भगदड़ मामले में अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द कराने की मांग की थी।

कर्नाटक सरकार ने गुरुवार को केएससीए, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और इवेंट मैनेजमेंट कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों को गिरफ्तारी करने का आदेश दिया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# बेंगलुरु में व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे का बेनकाब होना

**क्रिकेट की दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली के प्रति जन-उत्साह उमड़ा। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे खिलाडियों एवं राजनेताओं द्वारा नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें हो जाने के बावजूद जश्न जारी रहना, दुखद एवं शर्मनाक है।**

(लेखक - ललित गर्ग)

बढ़ते तापमान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ( आरसीबी ) की शानदार जीत के बाद आयोज्य जश्न के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं खेल व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है। आरसीबी विक्ट्री परेड के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास अचानक मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई जबकि 50 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, यह राज्य प्रायोजित एवं प्रोत्साहित हत्या है। पुलिस का बंदोबस्त कहां था? चीख, पुकार और दर्द और क्रिकेट सितारों को देखने की दीवानगी एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहाँ भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है।

क्रिकेट की दुनिया के सबसे बड़े वार्षिक उत्सव इंडियन प्रीमियर लीग के फाइनल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18वें संस्करण में आईपीएल खिताब जीत लिया। इस कामयाबी से आईपीएल से विदाई ले रहे विराट कोहली के प्रति जन-उत्साह उमड़ा। लेकिन इस जीत के जश्न की चमक में प्रशंसकों की चीखें एवं आहें का होना और उसे खिलाडियों एवं राजनेताओं द्वारा नजरअंदाज करना, अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा है। दुर्घटना होने एवं आम लोगों की मौतें हो जाने के बावजूद जश्न जारी रहना, दुखद एवं शर्मनाक है। प्रशंसकों की अहमियत को कमतर आंकने के इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम ने न केवल राजनेताओं को बल्कि खिलाड़ियों को भी दागी किया है। घटना ने एक बार फिर हमारे अवैज्ञानिक व लाठी भांजने वाले भीड़ प्रबंधन की ही पोल खोली है। इस जीत के जश्न में हिस्सा लेने आई भीड़ का एक लाख तक होने का अनुमान था। लेकिन लंबे अंतराल के बाद मिली जीत ने लोगों के उत्साह को इस स्तर तक पहुंचा दिया कि स्टेडियम के आसपास तीन लाख से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई। खुद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का मौत की खबरें मिलने के बावजूद खिलाडियों के साथ जश्न मनाने में जुटा रहना उनकी प्रचार भूख का भौंडा उदाहरण है। जब मौत के बाद वहां पसरा मातम देखकर सब स्तब्ध थे तो सिद्धारमैया क्यों अपने पद की गरिमा एवं जिम्मेदारी को धूमिल कर रहे थे? सोचिए लोगों की मौत के बाद अगर एक मिनट भी जश्न मना, तालियां बजीं, ठहाके लगे, फ्लाइंग किस दिए गए तो इससे ज्यादा अमानवीयता और निर्दयता क्या हो सकती है? जब खुद सरकार एक जश्न का मातम में बदलने का नेतृत्व करेगी तो आम लोगों का कांप उठना स्वाभाविक है।

बहरहाल, आईपीएल का आयोजन लगातार नई ऊंचाइयों को छूता हुआ व्यावसायिक क्रिकेट को नई ऊंचाइयां देने में जरूर सफल रहा है। फटाफट क्रिकेट के दुनिया के सबसे बड़े उत्सव में भारत के दो सर्वकालिक महान खिलाड़ियों विराट कोहली व एमएस धोनी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी थी। अंततः विराट कोहली का आईपीएल खिताब जीतने का लंबा इंतजार इस जीत के साथ खत्म हुआ। लेकिन धोनी पांच बार की विजेता चेन्नई सुपरकिंग को जीत का खिताब दिलाने से चूक गए। एक तरह से आईपीएल क्रिकेट से कोहली की यह शानदार विदाई साबित हुई। वे इस गरिमामय विदाई के हकदार भी थे। उनके करोड़ों प्रशंसकों की कतारे देख कर राजनेता भी उनकी साथ मंच सांझा करने को उत्सुक दिखे, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, अन्य मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी भी इसी फिराक में अपनी जिम्मेदारियों को भूल जश्न मनाते रहे और आमजनता अव्यवस्थाओं के कारण मौत में समाती रही। यह ऐसी दुखद घटना है जो अपनी निर्दयता एवं क्रूरता के लिये लम्बे समय तक कौंधती रहेगी। सिद्धारमैया के इस घटना की तुलना प्रयागराज कुंभ में हुए हादसे के करना उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रही है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे अनेक आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी। हालही में महाकुंभ के दौरान नई दिल्ली रेल्वे स्टेशन एवं प्रयागराज में हुए हादसे में भी अनेकों लोगों की जान गयी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियाँ में भी भीड़ प्रबंधन की पोल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है।

भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। कई बार आयोजनकर्ताओं और पुलिस के बीच समन्वय की कमी होती है, जिससे सुरक्षा चूक हो सकती है। भीड़ प्रबंधन केवल विधि-व्यवस्था बनाए रखने का विषय नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की सुरक्षा, सार्वजनिक स्थानों की संरचना और आपातकालीन स्थितियों से निपटने की रणनीतियों से गहनता से संबद्ध है। दुर्भाग्यवश, कई बार आयोजकों और प्रशासनिक एजेंसियों द्वारा पर्याप्त सुरक्षा उपाय नहीं किये जाते, जिससे जानमाल की हानि होती है। इस परिदृश्य में, बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की मौजूदा स्थिति, उससे जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ, हालिया घटनाओं से मिले सबक और प्रभावी समाधानों की चर्चा करना बेहद प्रासंगिक होगा, ताकि भविष्य में ऐसी त्रासदियों से बचा जा सके।

भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में धार्मिक उत्सव, खेल आयोजनों और राजनीतिक रैलियों में लाखों लोग जुटते हैं। ऐसे आयोजनों के लिये पुलिस, होम गार्ड, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया जाता है। विश्व के विभिन्न विकसित देशों में भीड़ प्रबंधन के लिये अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। जापान जैसे देशों में रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर अत्यधिक भीड़ के प्रबंधन के लिये ऑटोमेटेड एंट्री और एग्जिट सिस्टम स्थापित किये गए हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों में स्टेडियमों, एयरपोर्ट्स एवं धार्मिक स्थलों पर भीड़ नियंत्रण के लिये एआई आधारित कैमरे, आपातकालीन अलर्ट सिस्टम और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहते हैं। हालाँकि भारत में बड़े आयोजनों के लिये प्रशासनिक तैयारियाँ की जाती हैं, फिर भी समय-समय पर कई कमियाँ उजागर होती रही हैं। लेकिन आरसीबी के चिन्नास्वामी स्टेडियम के जश्न के दौरान खामियां ही खामियां देखने को मिली। ऐसे बड़े आयोजनों में भीड़ प्रबंधन कोई आसान कार्य नहीं है। लाखों लोगों को नियंत्रित करने के लिये ठोस रणनीति, प्रशासनिक कौशल और अत्याधुनिक तकनीक की आवश्यकता होती है, जिसका इस आयोजन में सर्वथा अभाव रहा। आखिर इतने लोगों की मौत की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और दोषी लोगों को कड़ा दण्ड दिया जाना चाहिए। प्रेषक:

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

## न्याय की साख

किसी भी लोकतंत्र में न्यायपालिका की साख निर्विवाद रूप से कायम रहनी चाहिए। कामकाज में पारदर्शिता व शुचिता नजर आना संवैधानिक संस्था के लिये अनिवार्य शर्त है। न्यायपालिका की जिन कवायदों को लेकर अंगुलियां उठ सकती हैं, उनको संबोधित करके मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने एक सराहनीय पहल की है। उनका सेवानिवृत्ति के बाद सरकार से कोई पद न लेने का संकल्प संस्थागत ईमानदारी व विश्वसनीयता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कहा जाएगा। निस्संदेह, उनके और कई सहयोगियों द्वारा दर्शायी गई यह प्रतिबद्धता न्यायपालिका की विश्वसनीयता और इसे स्वतंत्र बनाये रखने की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। सीजेआई गवई ने यही साबित करने का प्रयास किया है कि न्यायाधीशों द्वारा सेवानिवृत्ति के तुरंत बाद सरकारी पद लेना या चुनाव लड़ने के लिये इस्तीफा देना, संवेदनशील नैतिक चिंताएं पैदा करता है। यह भी कि ये प्रवृत्तियां सार्वजनिक जांच को आमंत्रित करती हैं। निस्संदेह, हितों के टकराव या पक्षपात की कोई भी धारणा केवल विश्वास की कमी को ही बढ़ाती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि इस मुद्दे पर सीजेआई का साहसिक रुख नैतिक नेतृत्व का एक नया मानक स्थापित करेगा- जिसका अक्षरश- और ईमानदारी की भावना से पालन किया जाएगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की है कि न्यायपालिका के भीतर कदाचार के उदाहरण पूरी व्यवस्था के प्रति विश्वास को चोट पहुंचा सकते हैं। इस विश्वास को फिर से बनाने का रास्ता त्वरित, निर्णायक और पारदर्शी कार्रवाई में निहित है। इसमें दो राय नहीं कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से जुड़ा कैश-इन-रेजिडेंस का विवाद न्यायपालिका के साथ-साथ कार्यपालिका और विधायिका के लिये कसौटी पर परखने का मामला है। चर्चा है कि आगामी मानसून सत्र में दिल्ली उच्च न्यायालय के एक विवादित पूर्व न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया जा सकता है। वहीं कॉलेजियम प्रणाली की बढ़ती आलोचना के बीच सीजेआई गवई का यह कथन कि न्यायिक स्वतंत्रता की कीमत पर कोई समाधान नहीं आना चाहिए, सही है। हालांकि, न्यायाधीशों की नियुक्ति कैसे की जाती है, यह एक अनसुलझा विवादास्पद मुद्दा बना हुआ है। गाहे-बगाहे अदृश्य न्यायिक भ्रष्टाचार पर भी गंभीर चिंता जतायी जाती रही है। पिछले दिनों पूर्व सीजेआई संजीव खन्ना का सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संपत्ति सार्वजनिक करने का कदम सराहनीय था। लेकिन अभी भी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है। बड़े पैमाने पर लंबित मामलों के मूल में प्रणालीगत विसंगतियां होने की बात कही जाती है। लेकिन हकीकत यह भी है कि राजनीतिक नफे-नुकसान के समीकरणों को साधने के लिये सरकारों ने भी तमाम संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का प्रयास भी किया है। इसके बावजूद संस्थाओं के भीतर से उभरते शुचिता के संकल्प जन विश्वास को मजबूती देते हैं। ऐसे में मुख्य न्यायाधीश की साफगोई और विसंगतियों को दूर करने का संकल्प न्यायिक व्यवस्था में जनता के भरोसे को बढ़ाने वाला ही कहा जाएगा। हाल के वर्षों में कुछ शीर्ष न्यायिक संस्थाओं के फैसलों के राजनीतिक निहितार्थ को लेकर सार्वजनिक विमर्श में चर्चाएं होती रही हैं। यही वजह है कि सेवामुक्ति के बाद लाभ के पद स्वीकारने और इस्तीफा देकर चुनाव लड़ने के फैसले को नैतिकता की कसौटी पर कसा जाता रहा है। निर्विवाद रूप से किसी राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर तथा किसी प्रलोभन को ठुकराकर ही न्याय की साख को बनाया जा सकता है। तभी सही अर्थों में न्यायिक दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन किया जा सकता है।

# अहिल्याबाई का विरासत पथ बना मोहन का विकास पथ

(लेखक - हर्षवर्धन पान्डे)

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को सुशासन, नारी सशक्तिकरण और जनकल्याण की प्रतीक माना जाता है। अपने शासनकाल में जनकल्याण और समावेशी विकास की ऐसी मिसाल कायम की जो आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनकी इस विरासत को न केवल संरक्षित करने का संकल्प लिया है, बल्कि इसे आधार बनाकर प्रदेश को विकास के नए आयामों तक ले जाने का मार्ग प्रशस्त किया है।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में सुशासन की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की। उन्होंने न केवल प्रशासनिक दक्षता और न्यायप्रियता का परिचय दिया, बल्कि समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए अनेक कार्य किए। मंदिरों, घाटों, सरायों और जल संरक्षण परियोजनाओं के निर्माण के माध्यम से उन्होंने सामाजिक, सांस्कृतिक अभ्युदय को बढ़ावा दिया। उनकी यह विरासत आज भी मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान का आधार है जिसे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव अपने विजन से नई दिशा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के अवसर पर उनके कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके आदर्शों को विकास नीतियों में समाहित करने का संकल्प लिया है। अहिल्याबाई की पुण्य गाथा से आज पूरा प्रदेश सरोबार रहा है जिसके चलते उनके कार्यों की जानकारी आम आदमी तक पहुंच रही है। डॉ. मोहन यादव की सरकार ने विरासत के साथ विकास के मंत्र को अपनाते हुए मध्यप्रदेश को एक समृद्ध और सशक्त राज्य बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उनकी नीतियां और योजनाएं न केवल आर्थिक विकास पर केंद्रित हैं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को भी प्राथमिकता देती हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने का जो संकल्प लोकमाता लिया था, उसे डॉ. मोहन यादव की सरकार देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन के माध्यम से साकार कर रही है। यह मिशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) मंत्र से प्रेरित है। इस मिशन के तहत बालिका शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, और आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं जैसे लाड़ली लक्ष्मी, लाड़ली बहना, लखपति दीदी और महिला स्व-सहायता समूहों का सशक्तिकरण लागू किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के अनेक धार्मिक स्थलों पर शराबबंदी जैसे कदम उठाए गए हैं।

अहिल्याबाई के शासनकाल में कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक दक्षता का विशेष महत्व था। डॉ. मोहन यादव ने इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए ई-गवर्नेंस की सुशासन प्रणालियों को प्रदेश में बेहतर ढंग से लागू किया है। उनकी सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जनकल्याण पर्व जैसे अभियान शुरू किए हैं जिनमें शिविरों के माध्यम से योजनाओं का लाभ वंचित वर्गों तक पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महारानी अहिल्या के शासनकाल के फैसले, नीतियों से प्रेरित होकर अपनी कैबिनेट की बैठक इंदौर के राजबाड़ा में रखी जिसमें अहिल्याबाई की दूरदृष्टि से प्रेरित होकर प्रदेश के विकास के लिए कई निर्णय लिए गए जिसमें 3876 करोड़ रु. की सौगात प्रदेश को दी गई। मोहन सरकार की मौजूदा नीतियों में शामिल सुशासन, जनसुनवाई और महिला सशक्तिकरण उन्हीं से प्रेरित है।डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को संरक्षित करने के लिए कई पहल की हैं। अहिल्यादेवी द्वारा निर्मित मंदिरों, धर्मशालाओं और अन्य सामुदायिक संरचनाओं के रखरखाव के लिए अन्य राज्यों के साथ समन्वय स्थापित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, श्रीराम वन गमन पथ, श्रीकृष्ण पाथेय, और सिंहस्थ 2028 जैसे आयोजनों के लिए विशेष बजट प्रावधान किए गए हैं। ये प्रयास न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देंगे, बल्कि स्थानीय रोजगार के अवसर भी सृजित करेंगे।

डॉ. मोहन यादव की सरकार ने प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक ठोस योजना तैयार की है। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने बीते डेढ़ वर्ष में औद्योगिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर स्थापित करने के लिए उन्होंने न केवल बेहतर नीतियां बनाई, बल्कि जमीनी स्तर पर निवेश और उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव किए। इस तरह के भव्य आयोजनों ने विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक संभावनाओं को मजबूती प्रदान की। इसके साथ ही निवेशकों के साथ सीएम डॉ.यादव ने सीधा संवाद स्थापित किया जिससे मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति मिली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूके, जर्मनी और जापान की यात्रा कर वहां की प्रमुख कंपनियों और निवेशकों से संवाद स्थापित किया। अगले पांच वर्षों में 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा गया है।यह योजना उद्योग विभाग द्वारा तैयार की गई है और निवेशकों की बैठकों में इसे लागू करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। अहिल्याबाई होलकर ने जल संरक्षण और संवर्धन के लिए कई घाटों और जलाशयों का निर्माण करवाया था। उनकी इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए डॉ. मोहन यादव की सरकार ने केन-बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना, और ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना जैसी योजनाओं को प्राथमिकता दी है। ये परियोजनाएं किसानों के लिए वरदान साबित होंगी और प्रदेश की कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगी। इसके अलावा जलगंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की दिशा में मोहन सरकार नई लकीर खींचती हुई नजर आ रही है। मोहन सरकार ''खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांव में'' के सिद्धांत पर जल संरक्षण की दिशा में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चला रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान जन-भागीदारी से चलाया जा रहा है जिसके सकारातमक परिणाम सामने आ रहे हैं जो 30 मार्च से 30 जून 2025 तक चलेगा।

(चिंतन-मनन)

# इच्छाएं जीवात्मा को मोह से बांधे रखती हैं

इंद्रियां, मन और बुद्धि काम-वासना के निवास-स्थान कहे जाते हैं। इनके द्वारा ज्ञान को ढककर काम-वासना जीवात्मा को मोहित करती है। कामरूपी दुश्मन का नाश करने के लिए यह पता होना ज़रूरी है कि यह रहता कहां है। इसलिए कृष्ण कह रहे हैं कि काम-वासना किसी एक जगह नहीं रहती, बल्कि यह तो हमारे तीनों शरीरों- स्थूल, सूक्ष्म और कारण में निवास करती है। इसकी पकड़ बड़ी मज़बूत होती है, इसलिए इसका नाश करना बड़ा मुश्किल है। मिसाल के तौर पर जब काम-वासना इन्द्रियों में जगती है, तब इन्द्रियां बेकाबू हो जाती हैं। जब यह मन में जगती है तो दूसरे काम करते हुए भी मन में काम-वासना के बारे में ही ख्याल चलते रहते हैं। ऐसे वक्ति में दिमाग में केवल काम ही भरी रहती है और बुद्धि दूसरा निर्णय नहीं ले पाती। इसलिए हमारी चेतना की मुख्य जगहों इन्द्रियों, मन और बुद्धि में जैसे ही काम अपना बसेरा डालता है, वहां से ज्ञान गायब हो जाता है। यही वजह है कि बड़े-बड़े ज्ञानियों में भी जब काम उपजता है तो वह उनके ज्ञान को ढक लेता है। काम का मतलब यहां केवल काम-वासना से ही नहीं, बल्कि हमारी अन्य कामनाओं से भी है। कामनाएं या इच्छाएं जीवन भर इंसान का पीछा नहीं छोड़तीं और इस वजह से जीवात्मा का संसार को लेकर मोह बना रहता है।

विचार मंथन

# सोवियत रूस की राह चला अमेरिका, कर्ज लेकर घी पी रहे हैं ट्रंप

(लेखक - सनत जैन)

अमेरिका का आर्थिक संकट दिनों दिन गहराता ही जा रहा है। अमेरिका के ऊपर 36 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का कर्ज हो चुका है जो अमेरिका की जीडीपी के मुकाबले 122 फ़ीसदी को पार करने जा रहा है। दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप ने अपने अहंकार के चलते सारी दुनिया को जीतने और सारी दुनिया को अपनी मुट्ठी में कैद करने के लिए जो टैरिफ बार शुरू किया था उस टैरिफ बार मकड़ जाल में वह स्वयं फंसकर रह गए हैं। कैसे बाहर निकलेंगे उन्हें पता नहीं टेस्ला कंपनी के एलन मस्क ने अरबों रुपए खर्च करके डोनाल्ड ट्रंप को चुनाव जितवाने में मदद की थी वही डोनाल्ड ट्रंप अब एलन मस्क से इतने नाराज हैं। उसकी मदद करना तो दूर जो सब्सिडी उसे अभी तक मिल रही थी उसे भी बंद करने जा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप को कोई आदमी उनका विरोध करें यह उन्हें जरा भी पसंद नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय अहंकार के मद में चूर हैं। कर्ज पर कर्ज लेते चले जा रहे हैं। सारी दुनिया के देश को धमका रहे हैं। उन्हें ऐसा लगता था कि अमेरिका के बिना दुनिया का कोई भी काम या दुनिया का कोई भी व्यापार संभव नहीं होगा लेकिन उसके इस अहंकार पर चीन ने सबसे ज्यादा चोट की है। चीन के सामने अमेरिका घिगयाने के लिए विवश हुआ है। चीन के जवाबी हमले ने ट्रंप के सारे कस और बल को निकाल दिया है। दुनिया में ट्रंप अब कमजोर राष्ट्रपति के रूप में देखे जा रहे हैं। जिस तरह से अमेरिका में महंगाई और मंडी बढ़ती चली जा रही है। 2025 की विकास दर 2.0 से घटकर 1.4 फ़ीसदी होने की उम्मीद जताई जा रही है। अमेरिका में कर्ज और उसके ब्याज का बोझ जिस तरह कैसे बढ़ रहा है। इस पर अंकुश लगाने की स्थान पर जो तुगलकी फरमान डोनाल्ड ट्रंप जारी कर रहे हैं। उसको देखते हुए अब सारे विश्व में यह कहा जाने लगा है। जिस तरह से सोवियत रूस का विघटन 1990 के दशक में हुआ था लगभग वही हालत 2025 में अमेरिका की देखने को मिलने लगी है। जिस तरह से एक-एक करके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विशेषज्ञों के साथ अपनी दुनिया बना रहे हैं। ऐसी स्थिति में जो गड्ढा वह दूसरों के लिए खोद रहे थे अब उसी गड्ढे में वह स्वयं गिरते चले जा रहे हैं। यह धारणा सारी दुनिया के देशों में बनने लगी है। अमेरिका के व्हाइट हाउस में जिस तरह से दूसरे देशों के राष्ट्राध्यक्ष डोनाल्ड ट्रंप को खरी खरी सुनाकर चले जाते हैं और अमेरिका उनका कुछ नहीं कर पाता है। अमेरिका के बढ़ते कर्ज पर जिस तरीके से शेयर बाजार वालस्ट्रीट और अन्य आर्थिक विशेषज्ञ अमेरिका के लिए कर्ज को खतरे की घंटी बता रहे हैं। यदि इस पर तुरंत अंकुश नहीं लगाया गया तो कभी भी अमेरिका में एक ऐसी स्थिति खड़ी हो सकती है। इसके बारे में अमेरिका ने कल्पना भी नहीं की थी अमेरिका एक संघीय देश है। राज्यों के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनको अनदेखा करते हुए जिस तरह की दादागिरी कर रहे हैं। उसके बाद यह बार-बार कहा जाने लगा है की जो सोवियत रूस का हुआ था यदि वही अमेरिका के साथ हो जाए तो किसी को आश्चर्य नहीं करना चाहिए 100 वर्ष के इतिहास में अमेरिका सबसे ज्यादा मुसीबत के दौर से गुजर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप इस स्थिति में सबसे खतरनाक व्यक्ति साबित हो रहे हैं। अमेरिका यदि कमजोर होता है तो वैश्विक स्तर पर अराजकता बढ़ेगी सारी दुनिया में अशांति होगी सारी दुनिया आर्थिक मंदी की चपेट में आ सकती है। इस आसन का को लेकर सारी दुनिया के देशों में एक बड़ी चिंता देखी जा रही है। भारत भी इस चिंता से दूर नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में जो तनाव बना है। इसका लाभ चीन और भारत के पड़ोसी देश उठा रहे हैं। चीन उनकी दोनों हाथों से मदद कर रहा है। उन्हें सैन्य हथियारों से लेकर अन्य आर्थिक मदद दी जा रही है। चीन की जो गतिविधियां हैं। वह भारत को कमजोर करने वाली हैं। भारत आज सारी दुनिया के देशों में अलग-अलग पड़ता चला जा रहा है। भारत के लिए भी यह चिंता का सबसे बड़ा विषय है।

कर्ज की इकोनॉमी से जब अमेरिका जैसा देश विघटन के दौर में पहुंच सकता है, तब आसानी से कल्पना की जा सकती है कि भारत के ऊपर जो कर्ज बढ़ता चला जा रहा है। वह भारत को कौन सी दिशा और दशा होगी इसको लेकर भारत की चिंता भी अब देखने को मिलने लगी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.91 पर खुला

**रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.79 पर बंद हुआ था**

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति के नतीजों से पहले रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा में भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.91 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की गिरावट दर्शाता है। हालांकि जल्द ही यह उबर गया और डॉलर के मुकाबले 85.77 पर पहुंच गया। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.79 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.77 पर रहा।

## गोल्ड लोन नियमों में हुआ बदलाव

**नई दिल्ली।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने छोटे कर्ज लेने वालों को राहत देने के उद्देश्य से गोल्ड लोन नियमों में कुछ बदलाव किया है। अब 2.5 लाख तक के गोल्ड लोन पर लोन-टू-वैल्यू (एलटीवी) रेशियो को 75 से बढ़ाकर 85 फीसदी कर दिया गया है। यानीं कि अब सोने के बदले आपको पहले से ज्यादा लोन मिल सकेगा और लोन लेने की प्रक्रिया भी आसान हो गई है। 2.5 लाख तक के गोल्ड लोन पर अब क्रेडिट एप्रेज़ल की जरूरत नहीं होगी। एलटीवी बढ़ाकर 85 फीसदी कर दिया गया है यानी 1 लाख के सोने पर आपको 85,000 तक का लोन मिल सकता है, जबकि पहले केवल 75,000 ही मिलता था।

## सीआरआर में कटौती से बैंकों के पास 2.5 लाख करोड़ अतिरिक्त उपलब्ध होंगे

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में एक प्रतिशत की भारी कटौती से अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों को कर्ज देने के लिए बैंकिंग प्रणाली में 2.5 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी उपलब्ध होगी। सीआरआर में 29 नवंबर को समाप्त होने की अवधि में चार बराबर किस्तों में कटौती होगी और यह घटकर तीन प्रतिशत रह जाएगी। यानीं कि वाणिज्यिक बैंकों को नकदी के रूप में तीन प्रतिशत का निचला स्तर बनाए रखना होगा, क्योंकि आरबीआई उन्हें कर्ज देने के लिए अधिक धनराशि रखने की अनुमति देगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकिंग प्रणाली को पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। टिकाऊ नकदी उपलब्ध कराने के लिए, वर्ष के दौरान चरणबद्ध तरीके से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को एक प्रतिशत घटाकर शुद्ध मांग और समयबद्ध देयताओं (एनडीटीएल) के तीन प्रतिशत तक कम करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह कटौती 0.25 प्रतिशत की चार बराबर किस्तों में की जाएगी। यह छह सितंबर, चार अक्टूबर, एक नवंबर और 29 नवंबर, 2025 से शुरू होने वाले पखवाड़ों से प्रभावी होगी।

## निफ्टी कर रहा है सीमित दायरे में कारोबार

**नई दिल्ली।** कोटक सिक्योरिटीज के डेरिवेटिव्स रिसर्च हेड के अनुसार निफ्टी फिलहाल 24,500 से 25,100 के बीच कारोबार कर रहा है। लंबी अवधि में बाजार में तेजी का रुख अवलंबित है, लेकिन पिछले हफ्तों में ब्रॉडर मार्केट ने निफ्टी को पीछे छोड़ दिया है। आने वाले दिनों में ठहराव का अनुमान लगाया जा रहा है। उन्होंने निफ्टी शॉर्ट स्ट्रैंगल रणनीति की सिफारिश की है, जिसमें 12 जून 2025 की एक्सपायरी के लिए 24,000 का पुट और 25,500 का कॉल ऑप्शन बेचना होगा। इस स्ट्रैटेजी से ट्रेडर को कुल 33.55 अंकों का नेट प्रीमियम इनकम हो सकता है। हालांकि, बाजार में एक निश्चित दायरे में रहने की आवश्यकता है। इस ट्रेंड को ध्यान में रखते हुए पूरा प्रीमियम कमाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि स्टॉप लॉस 65 अंक तय किया गया है।

# ट्रंप के ट्रेड वॉर से भारत समेत कई देशों की उभरती अर्थव्यवस्थाएं दोतरफा दबाव में

**नई दिल्ली।**

अमेरिका का ग्लोबल ट्रेड वॉर फिर तेज़ हो गया है। इस बार यह उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सेंट्रल बैंकों के लिए कोविड महामारी से भी बड़ी चुनौती बनता नजर आ रहा है। यह कहना है अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमए) की फर्स्ट डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर का। हाल ही में दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि जब 2020 में कोविड महामारी आई थी तब दुनिया के ज्यादातर सेंट्रल बैंक एक साथ काम कर रहे थे। ब्याज दरें घटाई गई थीं, राहत पैकेज लाए गए थे, लेकिन अब माहौल बदला हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर से बने टैरिफ अलग-अलग देशों को अलग तरह से प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार चुनौती पहले से भी ज्यादा बड़ी है। कोविड में सभी देश एक जैसी दिशा में आगे बढ़ रहे थे, लेकिन अब असमान असर हो रहा है। अब उभरती अर्थव्यवस्थाएं दोतरफा दबाव में हैं। एक तरफ उन्हें घरेलू मांग को सहारा देने के लिए ब्याज दरें कम करनी पड़ सकती हैं, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका में ब्याज दरें ऊंची रहने से डॉलर मजबूत है, जिससे विदेशी निवेश बाहर जा सकता है। ऐसे में भारत जैसे देश ब्याज दरें घटाते हैं तो उनकी करेंसी पर असर पड़ सकता है। आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक हो रही है, जिसमें रेपो रेट को 25 से 50 बेसिस प्वाइंट तक कम करने की उम्मीद जताई जा रही है। यह इस साल की तीसरी कटौती होगी। वहीं अमेरिका का फेडरल बैंक ट्रंप के दबाव में दरें घटाने के मूड में नहीं है। जब तक उसे भरोसा नहीं हो जाता कि टैरिफ से महंगाई नहीं बढ़ेगी, वह किसी रेट कट की संभावना नहीं देखता। इससे ग्लोबल वित्तीय माहौल सख्त हो सकता है और विकासशील देशों की नीति सीमित हो सकती है। एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर वैश्विक निवेशकों का भरोसा डगमगाया, तो उभरते बाजारों से पूंजी बाहर जा सकती है। इससे उन देशों की करेंसी पर दबाव और कर्ज़ लेने की लागत बढ़ सकती है।

## सोने के भाव में आई तेजी, चांदी 1 लाख के पार

**सोना 98,350 रुपए, चांदी के भाव लगभग 1,05,600 रुपए**

**नई दिल्ली।** सोने-चांदी के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। घरेलू बाजार में चांदी के वायदा भाव तो उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। खबर लिखे जाने के समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 98,350 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,05,600 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी तेजी के साथ कारोबार कर रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 374 रुपये की तेजी के साथ 98,248 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,876 रुपये था। इस समय यह 488 रुपये की तेजी के साथ 98,362 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 873 रुपये की तेजी के साथ 1,05,316 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,04,443 रुपये था। इस समय यह 1,241 रुपये की तेजी के साथ 1,05,584 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 3,377.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,375.10 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 12.80 डॉलर की तेजी के साथ 3,387.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 35.80 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 35.80 डॉलर था। इस समय यह 0.40 डॉलर की तेजी के साथ 36.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 36.26 डॉलर के भाव पर दिन के और इस साल के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए।

# शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

**मुम्बई।**

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति की आज हुई घोषणा में ब्याज दरों में कटौती से बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा और उसमें जबरदस्त उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 747 अंक बढ़कर 82,189 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 252 अंक ऊपर आकर 25,003 पर बंद हुआ। आरबीआई ने ब्याज दरों में उम्मीद से ज्यादा कमी की जिसे निवेशकों में जबरदस्त उत्साह रहा। रेपो रेट में 25 बेसिस अंकों की कटौती का अनुमान था पर वह 50 बेसिस अंको की हुई। इसके अलावा सीआरआर में कटौती से भी बाजार तटस्थ रहा। बाजार में आज सभी रेट-सेंसिटिव शेयरों में अच्छी तेजी रही। निफ्टी बैंक करीब 1.5 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। दिन में ये रिकॉर्ड ऊंचाई पर भी पहुंचा। एसबीआई, पीएनबी, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक सभी में बढ़त रही। निफ्टी रियल्टी में 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी रही। वहीं वहीं वाहन और वित्तीय शेयरों में ड़ेढ़ फीसदी तेजी रही। ब्रॉडर मार्केट में भी अच्छी तेजी रही। मिडकैप एक फीसदी से ज्यादा और स्मॉलकैप करीब एक फीसदी ऊपर आया। आज सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में श्रीराम फाइनेंस 5.46 फीसदी, बजाज फाइनेंस 4.90 फीसदी, जे एस स्टील 3.56 फीसदी, एक्सिस बैंक 3.15 फीसदी, मारुत सुजुकी 2.78 फीसदी रहे। दूसरी ओर गिरावट वाले शेयरों में एचडीएफसी लाइफ 0.87, बीईएल -0.66 फीसदी, भारती एयरटेल 0.46 फीसदी व सन फार्मा 0.13 फीसदी रही। इससे पहले आज सुबह सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन बाजार सपाट स्तर पर खुलने के बाद लाल निशान में फिसल गए। आरबीआई के रेपो रेट पर फैसले से पहले बाजार में गिरावट देखी गई।

सेंसेक्स लगभग सपाट 81,434.24 अंक पर खुला। खुलते ही यह लाल निशान में फिसल गया। सुबह की शुरुआत के बाद यह 51.91 अंक फिसलकर 81,390.13 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी लगभग सपाट रहते हुए 24,748.70 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 4 अंक की गिरावट लेकर 24,745 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली। निवेशकों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच फोन पर बातचीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार तनाव कम होने की उम्मीदें फिर से जगी हैं। जापान के निक्केई इंडेक्स में 0.31 फीसदी की वृद्धि हुई। जबकि टोपिक्स में 0.45 फीसदी की वृद्धि हुई। कोस्पी में 1.49 फीसदी की वृद्धि हुई तथा एएसएक्स200 में 0.03 फीसदी की वृद्धि हुई। वॉल स्ट्रीट पर रात भर प्रमुख अमेरिकी इंडेक्स टेस्ला के शेयरों में गिरावट के कारण गिरकर बंद हुए। एसएंडपी 500 में 0.53 फीसदी की गिरावट आई, जबकि नैस्डैक में 0.83 फीसदी की गिरावट आई। डॉव जोन्स में 0.25 फीसदी की गिरावट आई।

## मांग कमजोर होने से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री तीन फीसदी घटी

**नई दिल्ली।** जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में युद्ध संबंधी चिंताएं एवं सीमा पर तनाव बढ़ने से ग्राहकों ने खरीदारी में देरी की तथा छोटी कारों की मांग में नरमी आने से मई में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में सालाना आधार तीन प्रतिशत की गिरावट आई। वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने यह जानकारी दी। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) की ओर से शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार पिछले महीने यात्री वाहनों का पंजीकरण 3,02,214 इकाई रहा, जबकि मई 2024 में यह 3,11,908 इकाई रहा था। इसमें कहा गया कि छोटी कारों की मांग सबसे अधिक प्रभावित हुई है। सीमित वित्तपोषण और कमजोर उपभोक्ता भावना इसकी मुख्य वजह रही। वाहन डीलरों के संगठन के अनुसार मई में दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 16,52,637 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 15,40,077 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री मई में सालाना आधार पर चार प्रतिशत घटकर 75,615 इकाई रह गई, जिसकी वजह माल ढुलाई चक्र में नरमी, नकदी की तंगी और भू-राजनीतिक तनाव रहा।

# टाटा कैपिटल के आईपीओ को मंजूरी जल्द

**सितंबर 2025 से पहले लिस्टिंग का रास्ता साफ**

**नई दिल्ली।**

टाटा संस की सहायक कंपनी टाटा कैपिटल को अपने करीब 2 अरब डॉलर के आईपीओ के लिए बाजार नियामक सेबी से जल्द मंजूरी मिलने की संभावना है। इस घटनाक्रम से अवगत सूत्रों ने यह जानकारी दी है। सूत्रों का कहना है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने मंजूरी को अंतिम रूप दे दिया है और अगले कुछ हफ्तों में ऑब्जर्वेशन लेटर मिलने की उम्मीद है। इससे टाटा कैपिटल के लिए सितंबर 2025 की समय सीमा से पहले सूचीबद्धता का रास्ता खुल जाएगा। अपर लेयर नॉन-बैंकिंग फाइनैंशियल कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह समय-सीमा तय कर रखी है। टाटा कैपिटल ने अप्रैल में कॉन्फीडेंशियल रूट के जरिये आईपीओ दस्तावेज जमा कराए थे, जिससे सेबी की मंजूरी मिलने तक यह जानकारी गोपनीय रखी जा सके। अब तक सिर्फ दो कंपनियों ने ही सूचीबद्धता से पहले कॉन्फीडेंशियल फाइलिंग रूट के जरिये आईपीओ के लिए दस्तावेज जमा कराए थे। इनमें फूड डिलिवरी दिग्गज स्विगी और रिटेलर कंपनी विशाल मेगा मार्ट शामिल हैं। यदि इसे तेजी से मंजूरी मिल जाती है तो यह किसी मेगा आईपीओ के लिए सबसे जल्द हरी झंडी में से एक हो सकती है। मंजूरी के बाद एनबीएफसी को एक अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (यूडीआरएचपी) जमा कराना होगा। आईपीओ से पहले यूडीआरएचपी को कम से कम तीन सप्ताह तक सार्वजनिक डोमेन में रखना होगा। कंपनी के आईपीओ में फ्रेश इश्यू और टाटा संस समेत मौजूदा शेयरधारकों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल होने की संभावना है। अनलिस्टेड जोन के अनुसार

अनलिस्टेड बाजार में टाटा कैपिटल का शेयर 1,075 रुपये के आसपास कारोबार कर रहा है। आईपीओ की समय-सीमा और अन्य जानकारी के बारे में टाटा कैपिटल और सेबी को भेजे गए ईमेल का अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

## रिजर्व बैंक ने महंगाई दर के अनुमान को घटाकर 3.7 प्रतिशत किया

**मुंबई।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने महंगाई दर के अनुमान को चार प्रतिशत से घटाकर 3.7 प्रतिशत कर दिया है। केंद्रीय बैंक को उम्मीद है कि जिंसों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी के साथ मुख्य मुद्रास्फीति नरम बनी रहेगी। चार प्रतिशत से कम औसत खुदरा मुद्रास्फीति का यह अनुमान हाल के वर्षों में सबसे कम है। केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की दूसरी द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि अनुकूल पूर्वानुमान के बावजूद, वह मौसम संबंधी अनिश्चितताओं और वैश्विक स्तर पर जिंस की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव के साथ शुल्क संबंधी चिंताओं को लेकर सतर्क रहेगा। अप्रैल में अपनी मौद्रिक नीति घोषणा में आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 में खुदरा मुद्रास्फीति के औसतन चार प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि सामान्य मानसून के मद्देनजर वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के अब 3.7 प्रतिशत पर रहने का अनुमान है। इसके अप्रैल-जून तिमाही में 2.9 प्रतिशत, जुलाई-सितंबर तिमाही में 3.4 प्रतिशत, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 3.9 प्रतिशत और जनवरी-मार्च तिमाही में 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। खुदरा मुद्रास्फीति अप्रैल में घटकर 3.16 प्रतिशत पर आ गई है, जो इसका छह साल का निचला स्तर है।

# चिप्स और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने सेज के नियमों में बड़ी छूट

**भारत को विश्व में तकनीकी विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी**

**नई दिल्ली।**

केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक घटकों के उच्च तकनीक विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) के नियमों में जरूरी संशोधन किए हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा हाल ही में जारी की गई अधिसूचना के अनुसार अब इन क्षेत्रों में निवेश करने वाली इकाइयों के लिए न्यूनतम भूमि की आवश्यकता 50 हेक्टेयर से घटाकर मात्र 10 हेक्टेयर कर दी गई है।

सरकार द्वारा सेज नियमों में यह ढील इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योगों के लिए निवेश को आकर्षित करने और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इससे न केवल उच्च तकनीक क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा बल्कि भारत को विश्व में तकनीकी विनिर्माण हब के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। यह राहत मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले मॉड्यूल सब-असेंबली, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, लिथियम-आयन बैटरी सेल, मोबाइल और आईटी हार्डवेयर घटक, हियरेबल्स और वियरेबल्स सहित उच्च तकनीक विनिर्माण इकाइयों के लिए लागू होगी।

सरकार का उद्देश्य इन अत्याधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देना और देश में चिप्स तथा इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को मजबूत करना है। विशेष आर्थिक क्षेत्र (संशोधन) नियम, 2025 के तहत ये बदलाव 15 जून, 2021 से प्रभावी हो चुके हैं। इस कदम से छोटे एवं मध्यम उद्योगों को भी सेज क्षेत्र में आने में मदद मिलेगी क्योंकि भूमि की कम आवश्यकताओं के कारण अधिक उद्यम इस योजना का लाभ उठा पाएंगे। इस संशोधन से भारत में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में देश की भागीदारी मजबूत होगी।

## यूजर्स को मिलेगा एक्सचैट से मेसेजेस का नया अनुभव

**नई दिल्ली।**

अपने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर एलन मस्क ने एक नया मैसेजिंग फीचर एक्सचैट रोलआउट करने की घोषणा की है। मस्क ने बताया कि एक्सचैट को 'रस्ट' बेस्ड बिटकॉइन-स्टाइल एन्क्रिप्शन तकनीक पर विकसित किया गया है, जो एक नया और सुरक्षित आर्किटेक्चर प्रदान करता है। यह नया चैटिंग सिस्टम एन्क्रिप्शन, वैनिशिंग मेसेजेस और किसी भी प्रकार की फाइल भेजने जैसे उन्नत फीचर्स के साथ आ रहा है। एक्सचैट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यूजर बिना फोन नंबर के ऑडियो और वीडियो कॉल कर सकते हैं और यह सुविधा सभी प्लैटफॉर्म्स पर काम करेगी। फिलहाल कंपनी इस फीचर को एक्स के पेड सब्सक्राइबर्स के लिए अर्ली एक्सेस में उपलब्ध करा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक्सचैट में भविष्य में ग्रुप चैट्स, मेसेज को अनरीड छोड़ने का विकल्प और बेहतर प्राइवेसी के लिए चार अंकों वाला पिन कोड जैसी सुविधाएं भी जोड़ी जा सकती हैं। यह कदम मस्क के एक्स को एक प्राइवेसी-फोकस्ड एव्हरीथिंग एप बनाने की दिशा में एक अहम प्रयास माना जा रहा है। कंपनी की ओर से यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि एक्सचैट मौजूदा डायरेक्ट मैसेजिंग (डीएम) सिस्टम को पूरी तरह से रिप्लेस करेगा या नहीं।

लेकिन माना जा रहा है कि डीएम को एक्सचैट से बदला जा सकता है। एक्सचैट फिलहाल बीटा वर्जन में है और जल्द ही सभी यूजर्स के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है। हालांकि मस्क ने यह स्पष्ट नहीं किया कि बिटकॉइन-स्टाइल एन्क्रिप्शन का तकनीकी रूप से क्या मतलब है, लेकिन इससे संकेत मिलते हैं कि यूजर्स को पहले से अधिक सुरक्षित और प्राइवेट मैसेजिंग का अनुभव मिलने वाला है।

## आरबीआई ने रेपो रेट में की 50 बेसिस पॉइंट्स की कटौती

**ब्याज दरों में कटौती से होमलोन और ऑटोलोन सहित सभी कर्ज होंगे सस्ते**

**नई दिल्ली।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को रेपो रेट को 50 बेसिस पॉइंट्स कटौती की घोषणा कर दी। इसी के साथ रेपो रेट घटकर 5.50 फीसदी हो गई है। कैश रिजर्व रेश्यो (सीआरआर) 4 फीसदी से घटाकर 3 फीसदी कर दिया गया है। आरबीआई ने पॉलिसी रूख अकोमडटिव से बदलकर न्यूट्रल किया। इससे पहले फरवरी 2025 और अप्रैल 2025 में रेपो रेट में 0.25-0.25 फीसदी की कटौती की गई थी, जिसके बाद ये घटकर 6.00 फीसदी पर पहुंच गया था। ब याज दरों में कटौती का असर आम लोगों की रिटेल लोन की मंथली किस्त (ईएमआई) पर पड़ेगा। इसी के साथ आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। वहीं चालू वित्त वर्ष में रिटेल महंगाई दर के अनुमान को 4 फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी कर दिया गया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि एमपीसी ने लिक्विडिटी एडजस्टमेंट सुविधा के तहत पॉलिसी रेपो रेट को 50 आधार अंकों से घटाकर 5.5 फीसदी करने का फैसला किया है। यह तत्काल प्रभाव से लागू होगा। इसके साथ ही स्थायी जमा सुविधा दर 5.25 फीसदी पर समायोजित हो जाएगी। मार्जिनल स्टेंडिंग फैसिलिटी दर और बैंक दर 5.75 फीसदी पर समायोजित हो जाएगी। गवर्नर ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था नाजुक बनी हुई है। वैश्विक चिंताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती, स्थिरता और अवसर प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत तेज गति से बढ़ रही है। हम अपने विकसित भारत के विजन को और भी तेजी से आगे बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था निवेशकों को अपार अवसर प्रदान करती है। वैश्विक स्तर पर टैरिफ संबंधी चिंताओं के टलने से अनिश्चितताएं कुछ कम हुई हैं। देश के एग्रीकल्चर और इंडस्ट्री प्रोडक्शन में मजबूती बनी हुई है, जबकि निजी खपत में भी तेजी देखी जा रही है। शहरी क्षेत्रों में मांग में सुधार के संकेत मिले हैं और निवेश की रफ्तार में भी बढ़त देखने को मिल रही है। सर्विस सेक्टर में उल्लेखनीय तेजी बनी हुई है, हालांकि निर्यात के मोर्चे पर अब भी चिंता बरकरार है।

# एथर एनर्जी की रिज्टा बनी सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक स्कूटर

**नई दिल्ली।**

एथर एनर्जी कंपनी का फैमिली-फ्रेंडली मॉडल इलेक्ट्रिक स्कूटर एथर रिज्टा ने लॉन्च के महज एक साल में 1 लाख यूनिट्स की बिक्री पार कर ली है। बिक्री का यह आंकडा इस स्कूटर को अब तक का सबसे ज्यादा बिकने वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाता है।अप्रैल 2024 में लॉन्च होकर जुलाई 2024 से डिलीवरी शुरू हुई इस स्कूटर ने 10 महीनों में 99,691 यूनिट्स की बिक्री से फैमिली उपयोग के लिए लोकप्रियता का नया रिकॉर्ड बनाया। मई 2025 की शुरुआत में 309 और यूनिट्स के साथ यह आंकड़ा 1 लाख से ऊपर पहुंच गया। एथर रिज्टा को विशेष रूप से आराम, प्रैक्टिकलिटी और परिवारों की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, जबकि कंपनी के पुराने मॉडल जैसे 450एक्स और 450एस अधिकतर स्पोर्टी सेगमेंट में लोकप्रिय थे। वित्तीय वर्ष 2024-25 में एथर की कुल बिक्री में रिज्टा ने सबसे बड़ा योगदान दिया है, जिसमें इसने 89,639 यूनिट्स बेचकर 58प्रतिशत हिस्सेदारी बनाई। इसके बाद 450एक्स ने 44,391 यूनिट्स की बिक्री और 28 प्रतिशत बाजार हिस्सा हासिल किया, जबकि 450एस ने 18,999 यूनिट्स बेचकर 12प्रतिशत हिस्सेदारी बनाई। एथर रिज्टा ने टीवीएस आईक्यूब, बजाज चेतक और हीरो विडा जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर्स को कड़ी टक्कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सूर्यकुमार की शानदार बल्लेबाजी से टीम जीती

**मुम्बई।**

आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने टी20 मुंबई लीग में भी शानदार बल्लेबाजी की है। सूर्या ने पहले मैच में अर्धशतक और दूसरे मैच में 40 से ज्यादा रन बनाये हैं। सूर्यकुमार टी20 मुंबई लीग में ट्रायम्फ्स नाइट्स की कप्तानी कर रहे हैं। उन्होंने पहले मैच में उन्होंने अर्धशतक लगाया था, जिसमें टीम को हार मिली पर दूसरे मैच में उनकी 42 रनों की पारी से टीम विजयी रही। सूर्या ने 31 गेंदों में 2 चौके और 3 छक्कों की सहायता से उन्होंने 42 रन बनाए। 135.48 रनों के स्ट्राइक रेट की इस पारी से टीम जीत गयी। सूर्या के आउट होने के बाद सिद्धान्त आधथराव ने अर्धशतक लगाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। सूर्यकुमार ने इससे पहले आईपीएल में भी 700 से अधिक रन बनाये थे। उन्होंने पिछली 18 पारियों में टी20 क्रिकेट में कम से कम 26 रन जरूर बनाए हैं। इसके अलावा उन्होंने सबसे बड़ी पारी इस दौरान 73 रनों की खेली है। मुंबई इंडियंस को के क्वालीफायर 2 तक के सफर में उनकी अहम भूमिका रही थी।

# आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले इन युवाओं को मिल सकता है टीम इंडिया में अवसर

**मुम्बई।**

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 का सत्र रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के साथ ही समाप्त हो गया। साई किशोर, प्रभसिमरन सिंह सहित कुछ युवा अनकैप्ड क्रिकेटरों ने इस सत्र में अपनी अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इन युवा क्रिकेटरों को अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का अवसर नहीं मिला है पर अब उम्मीद है कि आने वाले समय में इन्हें भारतीय टीम में जगह मिल सकती हैं। ये खिलाड़ी हैं साई किशोर, प्रभसिमरन सिंह, वैभव सूर्यवंशी, यश दयाल और प्रियांश आर्या।

साई किशोर- इस सत्र में गुजरात टाइटंस की ओर से उतरे बाएं हाथ के स्पिनर साई किशोर ने अपनी सधी हुई गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है। साई किशोर ने 15 मुकाबलों में 19 विकेट लिए। उन्हें जल्द ही टीम में जगह दी जा सकती है।

प्रभसिमरन सिंह- आईपीएल-2025 में पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए प्रभसिमरन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते हुए 17 मुकाबलों में 160.53 की औसत के साथ 549 रन बनाए। इसमें चार अर्धशतक शामिल रहे। वहीं पिछले सीजन में प्रभसिमरन 334 रन जड़े थे। ऐसे में उन्हें आने वाले दिनों में भारतीय टीम के शीर्ष क्रम में अवसर मिल सकता है।

वैभव सूर्यवंशी- राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए 14 साल के वैभव ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का दिल जीत लिया। वैभव ने 296.56 की औसत के साथ 252 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने एक शतक भी लगाया। वैभव को सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सत्र खिताब भी मिला। उन्हें भारत की अंडर-19 टीम में भी चुना गया है।

प्रियांश आर्या- पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए इस युवा खिलाड़ी ने 17 मैच खेले, जिसमें 475 रन बनाए। इस दौरान प्रियांश ने शतक और दो अर्धशतक लगाये।

यश दयाल- आरसीबी की ओर से बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने गेंदबाजी की विविधता से बल्लेबाजों को परेशान कर दिया। दयाल नई गेंद और डेथ ओवर्स के एक अच्छे गेंदबाज के तौर पर पर उभर रहे हैं।

आईपीएल-2022 में यश ने नौ मैच में 11 विकेट लिए। आईपीएल-2024 में यश ने 15 विकेट लिए। यही वजह रही कि नीलामी में यश को पांच करोड़ रुपये में बरकरार रखा गया। उन्होंने इस सत्र में 13 विकेट लिए।

# भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज अब सचिन-एंडरसन सीरीज के नाम से जानी जाएगी

**मुम्बई।**

भारत और इंग्लैंड के बीच 20 जून से शुरु होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज सचिन तेंदुलकर और जेम्स एंडरसन के नाम पर होगी। पहले इसका नाम पटौदी ट्रॉफी रखा गया था। वहीं अब इसे भारतीय टीम के महान बल्लेबाज सचिन और इंग्लैंड के महानतम गेंदबाज एंडरसन के नाम पर रखा गया है। तेंदुलकर और एंडरसन ने एक-दूसरे के खिलाफ 14 टेस्ट मैच खेले हैं। एंडरसन ने सबसे अधिक बार तेंदुलकर को आउट किया है। वहीं पहले दोनो देशों के बची इंग्लैंड में खेली गयी टेस्ट सीरीज पटौदी ट्रॉफी के नाम से जानी जाती थी। पटौदी ने 1930 और 40 के दशक में भारत और इंग्लैंड दोनों के लिए खेला जबकि उनके बेटे मंसूर ने 1960 और 70 के दशक में भारत के लिए खेला। इंग्लैंड अंतिम पाटौदी ट्रॉफी में जीत हासिल करने में सफल रही थी। वहीं पिछली बार सीरीज 2-2 से बराबर रही थी। वहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा, ÷हाल ही में खबर आई है कि ईसीबी पाटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने जा रहा है, जो इंग्लैंड में इंग्लैंड और भारत के बीच टेस्ट सीरीज के विजेताओं को दी जाती है, यह वास्तव में परेशान करने वाली खबर है. यह पहली बार है जब किसी ट्रॉफी का नाम व्यक्तिगत खिलाड़ियों के नाम पर रखा गया है, हालांकि यह फैसला पूरी तरह से ईसीबी का है और बीसीसीआई की इसमें कोई भूमिका नहीं होगी।÷

## क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ टीम में भारत के बुमराह और यशस्वी भी शामिल

**मेलबर्न।**

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपनी सर्वश्रेष्ठ अंतिम ग्यारह चुनी है। इसकी कप्तानी पैट कमिंस को दी गयी है। वहीं इसमें इंग्लैंड के जो रुट भी शामिल है। इस टीम में भारत के दो खिलाड़ियों यशस्वी जायसवाल और भुवनेश्वर कुमार को भी शामिल किया गया है पर हैरानी की बात ये है कि इसमें विराट का नाम नहीं है। सलामी बल्लेबाजों के लिए इसमें भारतीय टीम के यशस्वी जायसवाल और ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा को रखा गया है। यशस्वी ने 19 मैचों में 1798 रनों के साथ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर रहे, वहीं ख्वाजा ने 1422 रन बनाये हैं। वहीं मध्य क्रम में सबसे अधिक 1968 रन बनाने वाले रूट के साथ ही न्यूजीलैंड के केन विलियमसन, इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस को शामिल किय गया है। ऐलेक्स कैरी टीम के विकेट कीपर होंगे। इस टीम में पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली के अलावा कमिंस, भारत के बुमराह और न्यूजीलैंड के मैड हेनरी भी शामिली हैं। 12वें खिलाड़ी के रूप में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा को रखा है। सीए की सर्वश्रेष्ठ अंतिम ग्यारह ः यशस्वी जायसवाल, उस्मान ख्वाजा, केन विलियमसन, जो रूट, हैरी ब्रूक, कामिंदु मेंडिस, ऐलेक्स कैरी, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, मैट हेनरी, नोमान अली।

# आईसीसी से स्वीकृत यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग अगले साल के लिए स्थगित

**डबलिन।**

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन के सह-स्वामित्व वाली यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) को 2026 तक स्थगित कर दिया गया है।आईसीसी द्वारा स्वीकृत नए वार्षिक टी20 फ्रेंचाइज टूर्नामेंट को शुरू में 15 जुलाई से 3 अगस्त तक आयोजित किया जाना था। पिछले साल 27 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा स्वीकृत, छह टीमों का यह टूर्नामेंट आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के क्रिकेट बोर्डों के बीच एक ऐतिहासिक सहयोग का प्रतिनिधित्व करता है, जो खेल को आगे बढ़ाने और विश्व मंच पर यूरोपीय क्रिकेट को ऊपर उठाने का एक संयुक्त प्रयास है।

आयरलैंड क्रिकेट द्वारा साझा किए गए बयान के अनुसार, बोर्ड द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन के बाद यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल ) आधिकारिक तौर पर 2026 में लॉन्च होगी। यह निर्णय क्रिकेट, व्यवसाय और मीडिया के प्रमुख हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के बाद लिया गया है। इसमें कहा गया है, टूर्नामेंट के लिए 2025 की शुरुआती अवधि ने एक ठोस आधार प्रदान किया, लेकिन फ्रेंचाइज के इच्छुक लोगों, प्रसारकों, प्रायोजकों और शासी निकायों के साथ बातचीत ने यह स्पष्ट कर दिया- 2026 ईटीपीएल को टूर्नामेंट के सफल होने का सबसे अच्छा मौका देता है। यह बताया गया कि ईटीपीएल फ्रेंचाइज के तीन संभावित मालिकों, जो द हंड्रेड में भी हिस्सेदारी हासिल कर रहे हैं, ने उन सौदों को प्राथमिकता दी है, जिसके कारण ईटीपीएल को स्थगित कर दिया गया।

ईटीपीएल के अध्यक्ष वॉरेन ड्यूट्रोम ने कहा, हम लंबी अवधि के लिए निर्माण कर रहे हैं। सही भागीदारों, पूंजी और बोर्ड भर में समर्थन के साथ, 2026 हमें एक ऐसी लीग शुरू करने के लिए आदर्श रनवे देता है जो पेशेवर, प्रतिस्पर्धी और लंबे समय तक चलने वाली हो।

रूल्स स्पोर्ट्स टेक और आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड के राष्ट्रीय बोर्डों के समर्थन से, ईटीपीएल वैश्विक क्रिकेट में एक शक्तिशाली नई ताकत के रूप में आकार ले रहा है। ईटीपीएल के सह-मालिक सौरव बनर्जी ने बयान में कहा, हमारा ध्यान शुरू से ही स्पष्ट रहा है- सही लोगों के साथ इसे सही तरीके से बनाना। निवेशकों, प्रसारकों और फ्रेंचाइजी से अब जो दिलचस्पी देखने को मिल रही है, उससे यह पुष्टि होती है कि हम सही रास्ते पर हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### मेरे पर हमेशा ही रहता है दबाव: गंभीर

**मुम्बई।**

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले कहा है कि मैं हमेशा ही दबाव में रहता है। गंभीर ने कहा कि परिणाम जो भी हो उनपर हमेशा ही दबाव रहता है। उन्होंने कहा कि एक कोच के रूप में वे हमेशा अच्छे परिणाम चाहते हैं और यह तथ्य कि चीजें विपरीत दिशा में जा सकती हैं, उन्हें हमेशा सतर्क रहना होता है। गंभीर की रहा मुख्य कोच बनने के बाद से ही कठिन रही है। श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा। वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी वह हारी। इसके बाद बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी टीम 1-3 से हारी। पिछले साल भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी और उसके बाद से ही सभी की नजरें गंभीर की कोचिंग और इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के प्रदर्शन पर रहेंगी। गंभीर ने कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद अब उन्हें नये कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम का मार्गदर्शन करना होगा। ये इसलिए भी कठिन रहेगा क्योंकि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी सीरीज के सभी मैच नहीं खेलेंगे। गंभीर ने कहा कि बुमराह की उपस्थिति का क्रम काफी हद तक इस बात पर रहेगा कि सीरीज में भारतीय टीम का प्रदर्शन कैसा है।

### साक्षी ने नेशनल वुशु चैंपियनशिप में रजत जीता

**जौनपुर।**

चेन्नई में आयोजित नेशनल वुशु चैंपियनशिप 2025 में जौनपुर की साक्षी पुष्पाकर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता है। साक्षी के कोच और परिजनों का कहना है कि वह कठिन प्रशिक्षण और अनुशासन के बल पर ही यहां तक पहुंची है। चेन्नई में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट में देशभर के प्रतियोगियों ने भाग लिया था पर साक्षी ने अपनी दृढ़ता और तेज़ रणनीति के दम पर सेमीफाइनल और फिर फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि फाइनल में उन्हें कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा। इस सफलता से साक्षी उत्साहित है और आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना चाहती है। साक्षी के जौनपुर पहुंचने पर खेल प्रेमियों ने उनका भव्य स्वागत किया। एयरपोर्ट से लेकर उनके घर तक लोग रास्ते में थे और उन्होंने फूलों की वर्षा कर साक्षी का अभिनंदन किया। इसके साथ ही उनके सम्मान में विभिन्न सामाजिक संगठनों और खेल संस्थाओं द्वारा स्वागत समारोह का आयोजन भी किया गया। अपने सम्मान से अभिभूत साक्षी ने कहा ÷मैं यह पदक अपने माता-पिता, कोच और जिले के उन सभी लोगों को समर्पित करती हूं जिन्होंने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाया है। यह केवल एक शुरुआत है, मेरा सपना है कि मैं देश के लिए स्वर्ण पदक जीतूं. मैं सभी से कहना चाहूंगी कि अगर तय कर लें तो कोई भी लक्ष्य दूर नहीं है।

# मजबूत इच्छाशक्ति वाले खिलाड़ी हैं रजत : अमय खुरासिया

**नई दिल्ली।**

पूर्व क्रिकेटर अमय खुरासिया ने कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल खिताब जिताने वाले रजत पाटीदार एक मजबूत इच्छाशक्ति वाले खिलाड़ी हैं। खुरासिया पूर्व में पाटीदार के कोच भी रहे हैं। खुरासिया ने कहा कि पाटीदार बाहर से बेहद शांत नजर आते हैं पर उनके अंदर सफलता के लिए जुनून है। साथ ही कहा, 'धैर्य और सही समय पर सही फैसला लेना सफल व्यक्ति के दो बड़े गुण होते है और पाटीदार को ये आत है। पाटीदार ने इस सत्र में कुशल कप्तानी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी की। उन्होंने 15 मैचों में 312 रन बनाये। उन्होंने आईपीएल में 42 मैचों में एक शतक और नौ अर्धशतक की सहायता से 1111 रन बनाए हैं। पाटीदार आरसीबी में एक चोटिल खिलाड़ी की जगह शामिल हुए थे पर साल 2022 सत्र में लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ शतक लगाकर उन्होंने टीम में जगह पक्की की। आरसीबी ने जब उन्हें कप्तान बनाया तो सभी हैरान थे पर ये फैसला सही निकला। पाटीदार ने 13 मैचों की टीम की कप्तानी करते हुए उसे 10 में जीत दिलायी। टीम ने पहली बार खिताब जीतने के साथ ही चेन्नई सुपर किंग्स को उसकी के घरेलू मैदान में हराया। उन्होंने कहा, 'आरसीबी ने जब उन्हें कप्तान बनाया था तब भी मैंने कहा था कि इस सत्र में यह टीम कुछ अलग करने वाली है। पाटीदार बाहर से काफी शांत दिखते है लेकिन उनके अंदर कुछ कर दिखाने की आग है। उनके मन में सबको साथ लेकर सफलता हासिल करने का जुनून है। खुरासिया को उम्मीद है कि पाटीदार जल्द ही भारतीय टीम में वापसी करेंगे। उन्होंने कहा, 'उसने कर के दिखा दिया। उसने अपने आप को साबित कर दिया है। वह कम से कम सीमित ओवरों भारतीय टीम में जगह का अधिकारी है। उसके टीम में होने टीम की मध्यक्रम को काफी मजबूती मिलेगी। वह पिछले काफी समय से ऐसा कर रहा है।

### न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के नये कोच होंगे वॉल्टर

**नई दिल्ली।**

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका की सीमित ओवरों की टीम के पूर्व कोच रॉब वॉल्टर को गैरी स्टीड की जगह पर टीम का नया मुख्य कोच बनाया है। बोर्ड ने वॉल्टर को तीनों ही प्रारुपों के लिए कोच की जिम्मेदारी दी है। अभी तक मुख्य कोच रहे स्टीड ने हाल ही में इस्तीफा दे दिया था। वॉल्टर का अनुबंध अगले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र 2027 तक रहेगा। वह विश्व कप, 2026 और 2028 में आयोजित होने वाले अगले दो टी20 विश्व कप और साथ ही 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक खेलों तक कोच रहेंगे। वाल्टर के ही कोच रहते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम साल 2023 एकदिवसय विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल के साथ-साथ 2024 टी20 विश्व कप के फाइनल तक पहुंची थी। वॉल्टर जुलाई में जून के मध्य में अपना पदभार संभालेंगे। रॉब वॉल्टर का परिवार न्यूजीलैंड में ही रहता है। ऐसे में अब उन्हें अपने परिवार के साथ रहने का भी अवसर मिल जाएगा जबकि दक्षिण अफ्रीका का कोच रहने के दौरान उन्हें अलग रहना पड़ता था। वह न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट में भी कोच रहे हैं। वह ओटागो वोल्ट और सेंट्रल स्टैज्स के कोच रहे हैं और उन्होंने 2022-23 में फॉर्ड ट्रॉफी और प्लंकेट शील्ड जीती थी। वॉल्टर ने साल 2022 में भारत दौरे पर न्यूजीलैंड ए टीम की भी कप्तानी की थी। वह आईपीएल में सहायक कोच भी रहे हैं।

### महिला क्रिकेट भी अब फायदेमंद हो रहा : मंधाना

**नई दिल्ली।**

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ययूपीए) और अन्य लीगों को जिस प्रकार से सुफलता मिल रही है। उससे साफ है कि महिला क्रिकेट का भविष्य अच्छा है और इससे राजस्व भी मिल रहा है। मंधाना को पहली बार हो रही महाराष्ट्र महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट में रत्नागिरी जेट्स का कप्तान बनाया गया है। उन्होंने कहा, 'महिला क्रिकेट को इस तरह का मंच मिलना खुशी की बात है। प्रदेश संघों और डब्ययूपीएल ने भी इसमें काफी मदद की है। इससे साबित होता है कि महिला क्रिकेट से भी अब राजस्व मिने लगा है जो एक अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा, 'कारोबारी अब महिला क्रिकेट में भी पैसे लगाने को तैयार हैं। साथ ही कहा कि खेल जितना पेशेवर होगा, उतना ही बेहतर होगा और इससे जमीनी स्तर के क्रिकेटरों को लाभ होगा। देश में इस समय महिला क्रिकेट में भी निवेश आ रहा है जिससे खिलाड़ी को आगे बढ़ने में सहायता मिल रही है। साथ ही कहा कि हमें अपने करियर में काफी देर से फिटनेस सहित इन चीजों के बारे में पता चला था। साथ ही कहा कि आजकल क्लब स्तर पर उभरते हुए खिलाड़ियों को इसकी बेहतर जानकारी है जिसका लाभ उन्हें मिलेगा।

# पीयूष चावला ने संन्यास लिया

**नई दिल्ली।**

लेग स्पिनर पीयूष चावला ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। इसी के साथ ही पीयूष का दो दशक तक चला करियर समाप्त हो गया है। पीयूष ने सोशल मीडिया के जरिये अपने संन्यास की जानकारी साझा की है।

इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिया में लिखा, दो दशक से ज्यादा समय तक मैदान पर रहने के बाद अब समय आ गया है कि मैं इस खूबसूरत खेल को विराम दूं। साथ ही कहा कि, 2007 टी20 विश्व कप और 2011 एकदिवसीय विश्वकप की विजेता टीम का हिस्सा रहना उनके लिए गर्व की बात रही है और ये यादें हमेशा उनके दिल में बनी रहेंगी।

उन्होंने कहा कि आईपीएल उनके करियर का एक अहम हिस्सा रहा है। साथ ही कहा, मैं उन सभी फ्रेंचाइजियों का दिल से आभारी हूं जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया। पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस की ओर से आईपीएल में खेले हर पल का मैंने आनंद लिया है। आईपीएल में चावला का करियर बेहद सफल रहा। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ 2012 और 2014 में दो बार खिताब जीता।

उन्होंने आईपीएल में कुल 192 विकेट लिए और वह सुनील नरेन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। अपने कोचों और परिवार को याद करते हुए इस क्रिकेटर ने लिखा, मैं अपने कोचों ( के.के. गौतम और स्वर्गीय श्री पंकज सरस्वत) के प्रति गहरा आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचने के काबिल बनाया।साथ ही उन्होंने अपने परिवार को अपनी ताकत बताया और अपने दिवंगत पिता को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, उनका मुझ पर विश्वास ही वह रौशनी थी जिसने मुझे राह दिखाई।

उनके बिना यह यात्रा संभव नहीं हो पाती। चावला ने अपने करियर को याद करते हुए कहा, मैंने लगभग 20 साल क्रिकेट को दिए हैं। यह एक लंबा और यादगार सफर रहा है। ऊपर वाले की कृपा रही कि मैं इतने लंबे वक्त तक क्रिकेट खेल सका।

### टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर निराश हुए थे मेरे पिता- रोहित

**नई दिल्ली।**

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि जब उनके पिता को अचानक ही संन्यास लेने की जानकारी मिली तो वह निराश हो गये थे। रोहित ने हाल ही में टेस्ट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। रोहित के अनुसार उसके पिता को टेस्ट क्रिकेट काफी पसंद है। इसी कारण जब उन्होंने एकदिवसीय में 264 रन की ऐतिहासिक पारी खेली थी, तब उनके पिता खुश तो थे पर उतने नहीं जितने कि टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन पर होते रहे। उनके लिए वह पारी सिर्फ एक अच्छी पारी थी। वहीं टेस्ट में अगर वह 50 रन भी बनाते थे तो वह बेहद खुश हो जाते थे। यहां एक कार्यकम में पहुंचे रोहित ने अपने पिता के बलिदान को भी याद करते हुए कहा कि आज वह जो कुछ भी हैं, उसमें उनके पिता की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने बताया कि उनके पिता ने एक बार एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में भी काम किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि परिवार को कभी भी किसी चीज की कोई कमी न हो। उन्होंने कहा, 'हम सभी एक अच्छी जिंदगी जी सके, इसके लिए मेरे पिता ने बहुत सारी कुर्बानी दी। वह हमेशा से टेस्ट क्रिकेट के बहुत बड़े प्रशंसक रहे हैं।'हिटमैन ने बताया, वह इस नए युग के क्रिकेट को पसंद नहीं करते हैं। मुझे अब भी याद है कि जब एकदिवसीय में मैंने 264 रन की पारी खेली तो उन्होंने कुछ ऐसा कहा, ओके, अच्छा खेले हो। बढ़िया। वह विश्व रिकॉर्ड था पर उसके बाद भी उनका जोश नहीं दिखा। उन्होंने आगे कहा, दूसरी ओर मैं टेस्ट क्रिकेट में अगर 30 या 40 या 50 या 60 रन भी बनाता था तो वह मुझसे काफी विस्तार से बात करते थे। टेस्ट क्रिकेट से वह कुछ इस तरह प्यार करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खांसी, अस्थमा, बवासीर, चर्मरोगों, पीलिया, पेशाब संबंधी रोगों, ल्यूकोरिया आदि के उपचार हेतु भी किया जाता है। मधुमेह के उपचार में भी यह काफी प्रभावी सिद्ध हुआ है।

# ज्यादा मुनाफे के लिए सफ़ेद मुसली की खेती कीजिये...

## सफेद मूसली उगाने के लिए जलवायु

सफेद मूसली मूलतः गर्म तथा आर्द्र प्रदेश का पौधा है। पूरे भारत वर्ष में इसकी खेती की जाती है।

## सफेद मूसली के खेत की तैयारी

सफेद मूसली 8-9 महीनें की फसल है जिसे मानसून में लगाकर फरवरी-मार्च में खोद लिया जाता है। अच्छी खेती के लिए यह आवश्यक हे कि खेतों की गर्मी में गहरी जुताई की जाय, अगर सम्भव हो तो हरी खाद के लिए ढ़ैचा, सनइ, ग्वारफली बो दें।

जब पौधो में फूल आने लगे तो काटकर खेत में डालकर मिला दें। गोबर की सड़ी खाद 250 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से अन्तिम जुताई के समय खेत में मिला दें। खेतों में बेड्स एक मीटर चैड़ा तथा एक फीट ऊँचा बनाकर 30 सेमी. की दूरी पर कतार बनाये, जिसमें 15 से.मी. की दूरी पर पौधे को लगाते हैं। बेड्स बनाने के पूर्व 300-350 किलो प्रति हेक्टियेर की दर से नीम या करंज की खल्ली मिला दें।

## बीज उपचार एवं रोपण

बुवाई के पहले बीज का उपचार रासायनिक एवं जैविक विधि से करते हैं । रासायनिक विधि में वेविस्टीन के 0.1 प्रतिशत घोल में ट्यूबर्स को उपचारित किया जाता है। जैविक विधि से गोमूत्र एवं पानी (1:10) में 1 से 2 घंटे तक ट्यूबर्स को डुबोकर रखा जाता है। बुआई के लिये गड्ढे बना दिये जाते हैं। गड्ढे की गहराई उतनी होनी चाहिए जितनी बीजों की लम्बाई हो, बीजों का रोपण इन गड्ढों में कर हल्की मिट्टी डालकर भर दें ।

## सफेद मुसली की सिंचाई एवं निकाई-गुड़ाई

रोपाई के बाद ड्रिप द्वार सिंचाई करें। बुआई के 7 से 10 दिन के अन्दर यह उगना प्रारम्भ हो जाता हैं। उगने के 75 से 80 दिन तक अच्छी प्रकार बढ़ने के बाद सितम्बर के अंत में पत्ते पीले होकर सुखने लगते हैं तथा 100 दिन के उपरान्त पत्ते गिर जाते हैं। फिर जनवरी फरवरी में जड़ें उखाड़ी जाती हैं।

## सफेद मुसली की किस्में

सफेद मुसली की कई किस्में देश में पायी जाती हैं। उत्पादन एवं गुणवत्ता की दृष्टि से एम डी बी 13 एवं एम डी बी 14 किस्म अच्छी है। इस किस्म का छिलका उतारना आसान होता है। बस किस्म में उपर से नीचे तक जड़ो या टयूबर्स की मोटाई एक समान होती है। एक साथ कई ट्यूबर्स (2-50) गुच्छे के रूप में पाये जाते हैं।

मूसली बरसात में लगायी जाती है। नियमित वर्षा से सिंचाई की जरूरत नहीं पड़ती है। अनियमित मानसून में 10-12 दिन में एक सिंचाई दें। अक्टूबर के बाद 20-21 दिनों पर हल्की सिंचाई करते रहना चाहिए। मूसली उखाडने के पूर्व तक खेती में नमी बनाए रखें।

जल भराव अथवा आवश्यकता से अधिक सिंचाई के कारण जड़ों के गलन का रोग हो सकता है । इसकी रोकथाम के लिए आगे सिंचाई देना बंद करके तथा रूके हुए पानी को बाहर निकाल करके इस रोग पर काबू पाया जा सकता है। फंगस के रूप में पौधों पर 'फ्यूजेरिम' का प्रकोप हो सकता हैं। जिसके उपचार हेतु टायकाडर्मा बिरडी का उपयोग किया जा सकता है। दीमक से सुरक्षा हेतु नीम की खली का उपयोग सर्वश्रेष्ठ पाया गया है। एक सुरक्षा के उपाय के रूप में कम से कम 15 दिन में एक बार फसल पर गौमूत्र के घोल का छिड़काव अवश्य कर दिया जाना चाहिए।

## मूसली खोदने (हारवेस्टिंग)

मूसली को जमीन से खोदने का सर्वाधिक उपयुक्त समय नवम्बर के बाद का होता है। जब तक मूसली का छिलका कठोर न हो जाए तथा इसका सफेद रंग बदलकर गहरा भूरा न हो तब तक जमीन से नहीं निकालें। मूसली को उखाडने का समय फरवरी के अंत तक है।

## बीज या प्लान्टिंग मेटेरियल हेतु मूसली का संग्रहण

यदि मूसली का उपयोग प्लांटिगं मेटेरियल के रूप में करना हो तो इसे मार्च माह में ही खोदना चाहिए। इस समय मूसली को जमीन से खोदने के उपरान्त इसका कुछ भाग तो प्रक्रियाकृत (छीलकर सुखाना) कर लिया जाता है। जबकि कुछ भाग अगले सीजन मेंबीज (प्लांटिग मेंटेरियल) के रूप मेंप्रयुक्त करने हेतु अथवा बेचने हेतु रख लिया जाता है।

मूसली की खेती से उपज की प्राप्ति-यदि 4 क्विंटल बीज प्रति प्रति एकड़ प्रयुक्त किया जाए तो लगभग 20 से 24 क्विंटल के करीब गीली मूसली प्राप्त होगी। किसान का प्रति एकड़ औसतन 15-16 क्विंटल गीली जड़ के उत्पादन की अपेक्षा करनी चाहिए।

## मूसली की श्रेणीकरण (बाजारीकरण)

अ श्रेणीः यह देखने में लंबी. मोटी, कड़क तथा सफेद होती है। दातों से दबाने पर दातों पर यह चिपक जाती है। बाजार में प्रायः इसका भाव 1000-1500 रू. प्रति किलोग्राम तक मिल सकता है।

**स श्रेणीः** प्रायः इस श्रेणी की मूसली साइज में काफी छोटी तथा पतली एवं भूरे-काले रंग की होती हैं। बाजार में इस श्रेणी की मूसली की औसतन दर 200 से 300 रू. प्रति कि.ग्रा. तक होती है।

**ब श्रेणीः** इस श्रेणी की मूसली स श्रेणी की मूसली से कुछ अच्छी तथा अ श्रेणी से हल्की होती है। प्रायः स श्रेणी में से चुनी हुई अथवा अ श्रेणी में से रिजेक्ट की हुई होती है बाजार में इसका भाव 700-800 रू. प्रति कि.ग्रा. तक (औसतन 500 रू. प्रति कि.ग्रा.) मिल सकता है।

## खोदने के उपरांत इसे दो कार्यों हेतु प्रयुक्त किया जाता है

1 बीज हेतु रखना य बेचना

2 इसे छीलकर सुखा कर बेचना

3 बीज के रूप में रखने के लिये खोदने के 1-2 दिन तक कंदो का छाया में रहने दें ताकि अतरिक्त नमी कम हो जाए फिर कवकरोधी दवा से उपचारित कर रेत के गड्ढों, कोल्ड एयर, कोल्ड चेम्बर में रखे।

4 सुखाकर बेचने के लिये फिंगर्स को अलग-अलग कर चाकू अथवा पीलर की सहायता से छिलका उतार कर धूप में 3-4 दिन रखा जाता है। अच्छी प्रकार सूख जाने पर बैग में पैक कर बाजार भेज देते है।

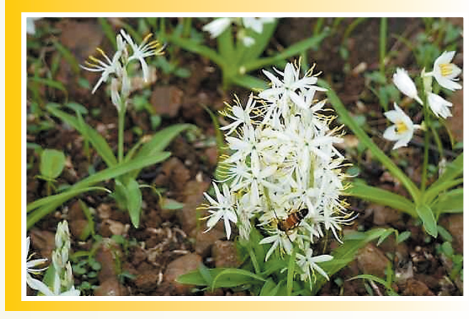

# मशरुम की खेती

## मशरुम की उपयोगिता

हजारों वर्षों से विश्वभर में मशरूमों की उपयोगिता भोजन और औषध दोनों ही रूपों में रही है। ये पोषण का भरपूर स्रोत हैं और स्वास्थ्य खाद्यों का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। मशरूमों में वसा की मात्रा बिल्कुल कम होती हैं, विशेषकर प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट की तुलना में, और इस वसायुक्त भाग में मुख्यतया लिनोलिक अम्ल जैसे असंतप्तिकृत वसायुक्त अम्ल होते हैं, ये स्वस्थ हृदय और हृदय संबंधी प्रक्रिया के लिए आदर्श भोजन हो सकता है। पहले, मशरूम का सेवन विश्व के विशिष्ट प्रदेशों और क्षेत्रों तक ही सीमित था पर वैश्वीकरण के कारण विभिन्न संस्कृतियों के बीच संप्रेषण और बढ़ते हुए उपभोक्तावाद ने सभी क्षेत्रों में मशरूमों की पहुंच को सुनिश्चित किया है। मशरूम तेजी से विभिन्न पाक पुस्तक और रोजमर्रा के उपयोग में अपना स्थान बना रहे हैं। एक आम आदमी को रसोई में भी उसने अपनी जगह बना ली है। उपभोग की चालू प्रवृत्ति मशरूम निर्यात के क्षेत्र में बढ़ते अवसरों को दर्शाती है।

## भारत में मशरुम की खेती-आम प्रजातियां

भारत में उगने वाले मशरूम की दो सर्वाधिक आम प्रजातियां वाईट बटन मशरूम और ऑयस्टर मशरूम है। हमारे देश में होने वाले वाईट बटन मशरूम का ज्यादातर उत्पादन मौसमी है। इसकी खेती परम्परागत तरीके से की जाती है। सामान्यता, अपॉश्चयरीकृत कूडा खाद का प्रयोग किया जाता है, इसलिए उपज बहुत कम होती है। तथापि पिछले कुछ वर्षों में बेहतर कृषि-विज्ञान पदधातियों की शुरूआत के परिणामस्वरूप मशरूमों की उपज में वृद्धि हुई है। आम वाईट बटन मशरूम की खेती के लिए तकनीकी कौशल की आवश्यकता है। अन्य कारकों के अलावा, इस प्रणाली के लिए नमी चाहिए, दो अलग तापमान चाहिए अर्थात पैदा करने के लिए अथवा प्ररोहण वृद्धि के लिए (स्पॉन रन) 220-280 डिग्री से, प्रजनन अवस्था के लिए (फल निर्माण) = 150-180 डिग्री से; नमी= 85-95 प्रतिशत और पर्याप्त संवातन सब्स्ट्रेट के दौरान मिलना चाहिए जो विसंक्रमित हैं और अत्यंत रोगाणुरहित परिस्थिति के तहत उगाए न जाने पर आसानी से संदूषित हो सकते हैं। अतः 100 डिग्री से. पर वाष्पन (पास्तुरीकरण) अधिक स्वीकार्य है। प्लयूरोटस, ऑएस्टर मशरूम का वैज्ञानिक नाम है। भारत के कई भागों में, यह ढींगरी के नाम से जाना जाता है। इस मशरूम की कई प्रजातिया है उदाहणार्थ :- प्लयूरोटस ऑस्टरीयटस, पी सजोर-काजू, पी. फ्लोरिडा, पी. सैपीडस, पी. फ्लैबेलैटस, पी एरीनजी तथा कई अन्य भोज्य प्रजातियां। मशरूम उगाना एक ऐसा व्यवसाय है, जिसके लिए अध्यवसाय धैर्य और बुद्धिसंगत देख-रेख जरूरी है और ऐसा कौशल चाहिए जिसे केवल बुद्धिसंगत अनुभव द्वारा ही विकसित किया जा सकता है।

प्लयूरोटस मशरूमों की प्ररोहण वृद्धि (पैदा करने का दौर) और प्रजनन चरण के लिए 200-300 डिग्री का तापमान होना चाहिए। मध्य समुद्र स्तर से 1100-1500 मीटर की ऊचांई पर उच्च तुंगता पर इसकी खेती करने का उपयुक्त समय मार्च से अक्तूबर है, मध्य समुद्र स्तर से 600-1100 मीटर की ऊचांई पर मध्य तुंगता पर फरवरी से मई और सितंबर से नवंबर है और समुद्र स्तर से 600 मीटर नीचे की निम्न तुंगता पर अक्तूबर से मार्च है।

**कूड़ा खाद तैयार करना :** कूड़ा खाद बनाने के लिए अन्न के तिनकों (गेंहू, मक्का, धान, और चावल), मक्कई की डंडिया, गन्ने की कोई जैसे किसी भी कृषि उपोत्पाद अथवा किसी भी अन्य सेल्यूलोस अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। गेंहू के तिनकों की फसल ताजी होनी चाहिए और ये चमकते सुनहरे रंग के हो तथा इसे वर्षा से बचा कर रखा गया है। ये तिनके लगभग 5-8 से. मी. लंबे टुकडों में होने चाहिए अन्यथा लंबे तिनकों से तैयार किया गया ढेर कम सघन होगा जिससे अनुचित किण्वन हो सकता है। इसके विपरीत, बहुत छोटे तिनके ढ़ेर को बहुत अधिक सघन बना देंगे जिससे ढ़ेर के बीच तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाएगा जो अनएरोबिक किण्वन में परिणामित होगा। गेंहू के तिनके अथवा उपर्युक्त सामान में से सभी में सूल्यूलोस, हेमीसेल्यूलोस और लिग्निन होता है, जिनका उपयोग कार्बन के रूप में मशरूम कवक वर्धन के लिए किया जाता है। ये सभी कूडा खाद बनाने के दौरान माइक्रोफ्लोरा के निर्माण के लिए उचित वायुमिश्रण सुनिश्चित करने के लिए जरूरी सबस्टूटे को भौतिक ढांचा भी प्रदान करता है। चावल और मक्कई के तिनके अत्यधिक कोमल होते है, ये कूडा खाद बनाने के समय जल्दी से अवक्रमित हो जाते हैं और गेंहू के तिनकों की अपेक्षा अधिक पानी सोखते हैं। अतः, इन सबस्टूट्स का प्रयोग करते समय प्रयोग किए जाने वाले पानी की प्रमात्रा, उलटने का समय और दिए गए संपूरकों की दर और प्रकार के बीच समायोजन का ध्यान रखना चाहिए। चूंकि कूड़ा खाद तैयार करने में प्रयुक्त उपोत्पादों में किण्वन प्रक्रिया के लिए जरूरी नाइट्रोजन और अन्य संघटक, पर्याप्त मात्रा में नहीं होते, इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए, यह मिश्रण नाइट्रोजन और कार्बोहाइड्रेट्स से संपूरित किया जाता है।

स्पानिंग अधिकतम तथा सामयिक उत्पाद के लिए अंडों का मिश्रण है। अण्डज के लिए अधिकतम खुराक कम्पोस्ट के ताजे भार के 0.5 तथा 0.75 प्रतिशत के बीच होती है। निम्नतर दरों के फलस्वरूप माइसीलियम का कम विस्तार होगा तथा रोगों एवं प्रतिद्वान्द्वियों के अवसरों में वृद्धि होगी उच्चतर दरों से अण्डज की कीमत में वद्धि होगी तथा अण्डज की उच्च दर के फलस्परूप कभी-कभी कम्पोस्ट की असाधारण ऊष्मा हो जाती है।

ए बाइपोरस के लिए अधिकतम तापमान 230 से (+) (-) 20 से./उपज कक्ष में सापेक्ष आर्द्रता अण्डज के समय 85-90 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।

**कटाई :** थैले को खोलने के 3 से 4 दिन बाद मशरूम प्रिमआर्डिया रूप धारण करना शुरू कर देते हैं। परिपक्व मशरूम अन्य 2 से 3 दिनों में कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। एक औसत जैविक कारगरहा (काटे गए मशरूम का ताजा भार जिसे एयर ड्राई सबट्रेट द्वारा विभक्त किया गया हो ङ्क100) 80 से 150 प्रतिशत के बीच हो सकती है और कभी-कभी उससे ज्यादा। मशरूम को काटने के लिए उन्हें जल से पकड़ा जाता है तथा हल्के से मरोड़ा जाता है तथा खींच लिया जाता है। चाकू का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। मशरूम रेफ्रीजेरेटर में 3 से 6 दिनों तक जाता बना रहता है।

**क्यूब तैयार करने का कक्ष :** एक आदर्श कक्ष आर.सी.सी. फर्श का होना चाहिए, रोशनदानयुक्त एवं सूखा होना चाहिए। लकड़ी के ढांचे को रखने, क्यूब एवं अन्य आर.सी.सी. चबूतरा के लिए कक्ष के अंदर 2 सेमी ऊंचा चबूतरा बनाया जाना चाहिए, ऐसा भूसे के पाश्चुरीकृत थैलों को बाहर निकालने की आवश्यतानुसार होना चाहिए। जिन सामग्रियों के लिए क्यूब को बनाने की आवश्यकता है, उन्हें कक्ष के अंदर रखा जाना चाहिए। क्यूब को तैयार करने वाले व्यक्तियों को ही कमरे के अंदर जाने की अनुमति दी जानी चाहिए।

**उठमायन कक्षः** उण्डजों के संचालन के लिए कमरा यह कमरा आरसीसी भवन अथवा आसाम विस्म (घर में कोई अलग कमरा) का कमरा होना चाहिए तथा खण्डों को रखने के लिए तीन स्तरों में साफ छेद वाले बांस की आलमारी लगाई जानी चाहिए। पहला स्तर जमीन से 100 सेमी ऊपर होना चाहिए तथा दूसरा स्तर कम से कम 60 सेमी ऊंचा होना चाहिए।

**फसल कक्ष :** एक आदर्श गृह/कक्ष आर.सी.सी. भवन होगा जिसमें विधिवत उष्मारोधन एवं कक्ष को ठंडा एवं गरम करने का प्रावधान स्थापित किया गया होगा। तथापि बांस, थप्पर तथा मिट्टी प्लास्टर जैसे स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों का इस्तेमाल करते हुए स्वदेशी अल्प लागत वाले घर की सिफारिश की गई है। मिट्टी एवं गोबर के समान मिश्रण वाले स्पिलिट बांस की दीवारें बनाई जा सकती है।

कच्ची ऊष्मारोधक प्रणाली का प्रावधान करने के लिए घर के चारों ओर एक दूसरी दीवार बनाई जाती है जिसमें प्रथम एवं दूसरी दीवार के मध्य 15 सेमी का अंत्तर रखा जाता है। बाहरी दीवार के बाहरी तरफ मिट्टी का पलास्टर किया जाना चाहिए। दो दीवारों के मध्य में वायु का स्थान ऊष्मा रोधक का कार्य करेगा क्योंकि वायु ऊष्मा का कुचालक होती है। यहां तक कि एक बेहतर ऊष्मारोधन का प्रावधान किया जा सकता है यदि दीवारों के बीच के स्थान को अच्छी तरह से सूखे 8 ए छप्पर से भर दिया जाए। घर का फर्श वरीयतः सीमेंट का होना चाहिए किन्तु जहां यह संभव नही है, अच्छी तरह से कूटा हुआ एवं प्लास्टरयुक्त मिट्टी का फर्श पर्याप्त होगा। तथापि, मिट्टी की फर्श के मामले में अधिक सावधानी बरतनी होगी। छत मोटे छापर की तहो अथवा वरीयतः सीमेंट की शीटों की बनाई जानी चाहिए। छप्पर की छत से अनावश्यक सामग्रियों के संदूषण से बचने के लिए एक नकली छत आवश्यक है। प्रवेश द्वार के अलावा, कक्ष में वायु के आने एवं निकलने के लिए कमरे के आयु एंव पश्च भाग के ऊपर एवं नीचे दोनों तरफ से रोशनदानों का भी प्रावधान किया जाना चाहिए। घर तथा कक्ष ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ बांस के खम्भों के ढांचो का होना चाहिए जो ऊष्मायन अवधि के उपरान्त खंडों को टांगने के लिए अपेक्षित है। अनुप्रस्थ खम्भों को ऊष्मायन आलमारी के रूप में 3 स्तरीय प्रणाली में व्यवस्थित किया जा सकता है। खम्भे वरीयतः दीवारों से 60 सेमी दूर तथा तीनों स्तरों की प्रत्येक पंक्ति के बीच में होने चाहिए, 1 सेमी की न्यूनतम जगह बनाई रखी जानी चाहिए। 3.0ङ्क2.5ङ्क2.0 मी. का फसल कक्ष 35 से 40 क्यूबों को समायोजित करेगा।

**विधि :** भूसे को हाथ के यंत्र से 3-5 सेमी लम्बे टुकडों में काटिए तथा टाट की बोरी में भर दीजिए। एक ड्रम में पानी उबालिए। जब पानी उबलना शुरू हो जाए तो भूसे के साथ टाट की बोरी को उबलते पानी में रख दीजिए तथा 15-20 मिनट तक उबालिए। इसके पश्चात फेरी को ड्रम से हटा लीजिए तथा 8-10 घंटे तक पड़े रहने दीजिए ताकि अतिरिक्त पानी निकल जाए तथा चोकर को ठंडा होने दीजिए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि ब्लॉक बनाने तक थैले को खुला न छोड़ा जाए क्योंकि ऐसा होने पर उबला हुआ चोकर संदूषित हो जाएगा। हथेलियों के बीच में चोकर को निचोड़कर चोकर की वांछित नमी तत्व का परीक्षण किया जा सकता है तथा सुनिश्चित कीजिए कि पानी की बूंदे चोकर से बाहर न निकलें।

चोकर के पाश्चुरीकृत का दूसरा तरीका भापन है। इस तरीके के लिए ड्रम में थोड़े परिवर्तन की आवश्यकता होती है (ड्रम के ढक्कन में एक छोटा छेद कीजिए तथा चोकर को उबालते समय रबर की ट्यूब से ढक्कन के चारों ओर सील लगा दीजिए) टुकड़े-डुकड़े किए गए चोकर को पहले भिगो दीजिए तथा अतिरिक्त पानी निकाल दिया जाए। ड्रम में कुछ पत्थर डाल दीजिए तथा पत्थर के स्तर तक पानी उड़ेलिए। बांस की टोकरी में रखकर गीले चोकर को उबाल दें तथा ड्रम के अंदर पत्थर के ऊपर टोकरी को रख दें। ड्रम के ढक्कन को बंद कर दें तथा रबर की ट्यूब से ढक्कन की नेमि को सील कर दीजिए। उबले हुए पानी से उत्पन्न भाप चोकर से गुजरते हुए इसे पाश्चुरीकृत करेगी। उबालने के बाद चोकर को पहले से कीटाणुरहित किए गए बोरी में स्थानांतरित कर दिजिए तथा 8-10 घंटे तक इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दीजिए। लकड़ी का एक सांचा लीजिए तथा चिकने फर्श पर रख दीजिए। पटसून की दो रस्सियों ऊर्ध्वाधर एवं अनुप्रस्थ रूप में रख दीजिए। प्लास्टिक की शीट से अस्तर लगाइए जिसे पहले उबलते पानी में डुबोकर कीटाणुरहित किया गया है।

5 सेमी. के उबले चोकर को भर दीजिए तथा लकड़ी के ढक्कन की मदद से इसे सम्पीडित कीजिए तथा पूरी सतह पर स्पान को छिड़किए।

स्पानिंग की प्रथम तह के उपरान्त 5 सेमी का अन्य चोकर रखिए तथा सतह पर पुनः स्थान का छिड़काव करें तथा प्रथम तह में किए गए की तरह इसे सम्पीडित कीजिए। इस प्रकार तह पर स्पान को 4 से 6 तह तक के लिए तब तक छिड़किए जब तक चोकर सांचे के शीर्ष के स्तर तक न आ जाए। एक (1) एक पैकेट स्पान का इस्तेमाल 1 क्यूब अथवा ब्लाक के लिए किया जाना चाहिए।

अब प्लास्टिक की शीट सांचे की शीर्ष पर मोडी जाए प्लास्टिक के नीचे पहले रखी गई पटसून की रस्सियों से उसे बांध दिया जाए।

बांधने के उपरांत सांचे को हटाया जा सकता है तथा चोकर का आयताकर खंड पीछे बच जाता है।

वायु के लिए खंड के सभी तरफ छेद (2 मिमी व्यास) बनायें।

ऊष्मायन कक्ष में ब्लॉक को रख दीजिए उन्हें सरल तह में एक दूसरे के बगल रखा जाए तथा इस बात का ध्यान रखा जाए कि उन्हें फर्श पर अथवा एक दूसरे के शीर्ष पर सीधे न रखा जाए क्योंकि इससे अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न होगी।

ब्लॉक का तापमान 250 से. पर रखा जाए। ब्लॉक के छिद्रों में एक तापमापक डालकर इसे नोट किया जा सकता है। यदि तापमान 250 से. से ऊपर जाता है तो कमरे में गैस भरने की सलाह दी जाती है। तथा यदि तापमान में गिरवाट आती है, तो कमरे को धीरे-धीरे गर्म किया जाना चाहिए। पूरे पयाल में फैलने के लिए स्पान को 12 से 15 दिन लगता है तथा जब पूरा ब्लॉक सफेद हो जाए तो यह निशान है कि स्पान संचालन पूरा हो गया है। अण्डज परिपालन के उपरांत ब्लॉक से रस्सी तथा प्लास्टिक की शीट को हटा दीजिए।

## आवश्यक सामान

1. धान के तिनके - फफूंदी रहित ताजे सुनहरे पीले धान के तिनके, जो वर्षा से बचाकर किसी सूखे स्थान पर रखे गए हो।
2. 400 गेज के प्रमाप की मोटाई वाली प्लास्टिक शीट - एक ब्लाक बनाने के लिए 1 वर्ग मी. की प्लास्टिक शीट चाहिए।
3. लकड़ी के सांचे - 45ङ्क30ङ्क15 से. मी. के माप के लकड़ी के सांचे, जिनमें से किसी का भी सिरा या तला न हो, पर 44ङ्क29 से. मी. के आयाम का एक अलग लकड़ी का कवर हो।
4. तिनकों को काटने के लिए गंडासा या भूसा कटर।
5. तिनकों को उबालने के लिए ड्रम (कम से कम दो)
6. जूट की रस्सी, नारियल की रस्सी या प्लास्टिक की रस्सियां
7. टाट के बोरे
8. स्पान अथवा मशरूम जीवाणु जिन्हें सहायक रोगविज्ञानी, मशरूम विकास केन्द्र, से प्रत्येक ब्लॉक के लिए प्राप्त किया जा सकता है।
9. एक स्प्रेयर
10. तिनकों के भंडारण के लिए शेड 10ङ्क8 मी. आकार का।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# पीएम मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब ब्रिज पर लहराया तिरंगा, देश को दी बड़ी सौगात

**जम्मू।**

जम्मू कश्मीर में केंद्र की मोदी सरकार लगातार बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और आवागमन के बेहतर साधन जुटाने में लगी हुई है। ऐसे ही प्रयासों के बीच आज पीएम नरेंद्र मोदी ने दुनिया के सबसे ऊंचे ब्रिज की ऐतिहासिक सौगात दी है।

इससे पहले उन्होंने ब्रिज पर पहुंचकर भारत का गौरव तिरंगा लहराया और ब्रिज को काफी देर तक निहारा। पहलगाम हमले के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी ने ब्रिज के जरिए जम्मू और श्रीनगर दशकों के बाद रेल लिंक से जुड़ गया है। कई साल पहले घाटी को देश के अन्य हिस्सों से रेल नेटवर्क से जोड़ने का सपना देखा गया था।

अब जाकर वह साकार हुआ है। इससे कश्मीर वैली में न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि व्यवसाय-कारोबार को भी नए पंख मिलने की उम्मीद है।

चिनाब ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा रेल आर्च ब्रिज है। यह भूकंप के लिहाज से जोन-5 में स्थित है। यह ब्रिज दो पहाड़ों के बीच बना है, जहां तेज हवाओं की वजह से विंड टनल फिनोमेना देखा जाता है। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए ब्रिज को 260 किलोमीटर प्रति घंटा की हवा की गति का सामना करने के लिए डिजाइन किया गया है। वैष्णव ने बताया कि इस ब्रिज के निर्माण में नींव और मेन स्ट्रक्चर को जोड़ने में कई जटिल चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाते हुए इन चुनौतियों को पार किया गया, जिससे यह परियोजना न केवल तकनीकी, बल्कि पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी अनूठा है।

चिनाब और अंजी ब्रिज के निर्माण में भारतीय इंजीनियरों की तकनीकी विशेषज्ञता और इनोवेशन का प्रदर्शन हुआ है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को देश के अन्य हिस्सों से रेलवे लाइन के माध्यम से जोड़ना सदियों पुराना सपना था, जो अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और अथक प्रयासों से साकार हो रहा है। चेनाब रेल ब्रिज का उद्घाटन देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। इसके साथ ही दो वंदे भारत ट्रेनों का भी लोकार्पण किया जाएगा, जो इस क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी को और मजबूत करेंगी। अश्विनी वैष्णव ने

बताया कि जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद इस परियोजना को पूरा करना एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। जम्मू स्टेशन पर चल रहे काम के कारण वंदे भारत ट्रेनें फिलहाल कटरा से श्रीनगर तक चलेंगी, लेकिन सितंबर 2025 से ये ट्रेनें जम्मू से श्रीनगर तक पूरे रूट पर ऑपरेट होंगी। इस रेल परियोजना में दो इंजीनियरिंग चमत्कार (चिनाब ब्रिज और अंजी ब्रिज शामिल हैं) जो अत्याधुनिक तकनीक और डिजाइन के प्रतीक हैं।

## बीते 20 वर्षों से भूभुजोत टनल के निर्माण की उम्मीद में बैठे लोगों को अब गडकरी से आस

### टनल बनने से मंडी और कुल्लू जिले आपस में जुड़ जाएंगे

**मंडी।**

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के द्रंग विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाली दुर्गम चौहारघाटी के लोग बीते 20 वर्षों से भूभुजोत टनल के निर्माण की आस लगाए बैठे है। यहां चौहारघाटी से कुल्लू जिले की लगवैली तक एक टनल के निर्माण का प्रस्ताव है, लेकिन यह अभी तक धरातल पर नहीं आया है। इस टनल के बनने से मंडी और कुल्लू जिले आपस में जुड़ जाएंगे। चौहारघाटी और लगवैली के लोगों को अभी आपस में मिलने के लिए या भूभुजोत को पैदल पार करना पड़ता है या सड़क मार्ग से 100 किमी से अधिक का सफर करना होता है। टनल के बनने से यह दूरी मात्र चंद मिनटों में पूरी होगी। यही नहीं, इस टनल का निर्माण सामरिक दृष्टि से भी अति महत्वपूर्ण है। सेना की तरफ से ही इसके निर्माण का सुझाव भी दिया गया है. ग्राम पंचायत बरोट के प्रधान ने बताया कि अभी सेना का सारा काफिला पालमपुर से मंडी और फिर कुल्लू होकर लेह की तरफ जाता है। यदि टनल बनाती हैं तब सेना को कुल्लू पहुंचने में आसानी होगी और उनका 50 किमी से अधिक का सफर बचेगा। भूभुजोत टनल के निर्माण का दूसरा पहलू यह भी है कि इससे दुर्गम चौहारघाटी के पर्यटन कारोबार को नए पंख लग जाएंगे। जब लोग यहां से होकर कुल्लू-मनाली की तरफ जाएंगे, तब चौहारघाटी के प्राकृतिक सौंदर्य को निहारने के लिए स्वतः ही रुक जाएंगे। चौहारघाटी में अभी लोग बरोट जाना ही पसंद करते हैं, जबकि इसके अलावा पूरी घाटी में प्राकृतिक सौंदर्य का अपार भंडार मौजूद है। इसकारण स्थानीय लोग केंद्र और प्रदेश सरकार से टनल के निर्माण की बार-बार मांग कर रहे हैं। बता दें कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने प्रदेश के लोगों को टनल निर्माण के लिए आश्वस्त किया है। लेकिन अब लोगों को इंतजार इस कार्य के धरातल पर शुरू होने का है। लोगों को उम्मीद है कि केंद्र सरकार कार्य को जल्द से जल्द करवाकर क्षेत्र के लोगों को इसकी सौगात देगी।

## पाकिस्तान के कुल रक्षा बजट से तीन गुना ज्यादा नुकसान उठा चुके मस्क

### ट्रंप से तनाव के कारण 152 बिलियन डॉलर का भारी भरकम नुकसान

**नई दिल्ली।**

दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी एलन मस्क को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से टकराना महंगा पड़ गया है। बजट बिल को लेकर ट्रंप और मस्क में ठन गई है। इसका असर टेस्ला के शेयरों पर भी दिख रहा है। इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली कंपनी के शेयरों में गुरुवार को भारी गिरावट आई। कंपनी का शेयर 14 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट के साथ बंद हुआ। इस गिरावट से कंपनी को सिर्फ तीन घंटे में 152 बिलियन डॉलर का भारी भरकम नुकसान हुआ। यह टेस्ला के इतिहास का सबसे बुरा दिन था।

टेस्ला के शेयरों में गिरावट से मस्क की नेटवर्थ में भी भारी कमी आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ में 33.9 अरब डॉलर की गिरावट आई। जो पाकिस्तान के कुल डिफेंस बजट से तीन गुना है। बीते साल यानी 2024 में पाकिस्तान का डिफेंस बजट 11 अरब डॉलर था। गिरावट से मस्क की नेटवर्थ अब 335 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 97.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है। यह रकम गौतम अडानी की कुल नेटवर्थ (82.5 अरब डॉलर) से ज्यादा है।

ट्रंप और मस्क में तकरार से निवेशक बुरी तरह डरे हैं। पहले निवेशकों को उम्मीद थी कि मस्क की कंपनियों को ट्रंप प्रशासन से अच्छे संबंध होने का फायदा मिलेगा। लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा है। यह विवाद सरकार के बजट बिल को लेकर शुरू हुआ। कभी ट्रंप के लाड़ले रहे मस्क ने बजट बिल को घिनौना बताया था। इसके जवाब में ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, बजट में पैसे बचाने का सबसे आसान तरीका है कि एलन की सरकारी सब्सिडी और कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर दो। मुझे हमेशा हैरानी होती थी कि बाइडेन ने ऐसा क्यों नहीं किया! ट्रंप की धमकी का टेस्ला के शेयरों पर बहुत बुरा असर पड़ा।

कंपनी का वैल्यूएशन 1 ट्रिलियन डॉलर से नीचे गिर गया और गुरुवार को 916 बिलियन डॉलर पर आ गया। टेस्ला के साथ-साथ स्पेस एक्स पर भी खतरा मंडरा रहा है। मस्क की रॉकेट कंपनी को संघीय सरकार से अरबों डॉलर के कॉन्ट्रैक्ट मिले हैं। इसमें नासा के भी कई अहम मिशन शामिल हैं।

## गुरुग्राम में भूमाफिया के खिलाफ एक्शन शुरु, 70 लोगों पर मुकदमा दर्ज

### लगातार अवैध कॉलोनियों पर चल रहा बुलडोजर

**गुरुग्राम।**

गुरुग्राम में अवैध कॉलोनियां काटने के मामले में 70 लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने गुरुग्राम पुलिस से जमीन मालिकों और भूमाफिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश की है। डीटीपीई कार्यालय की ओर से मई में भोंडसी, बहरामपुर, कादरपुर, महेंद्रवाड़ा, बिधवाका, सोहना के गांव खेड़ला में अवैध रूप से पनप रही 13 कॉलोनियों को तोड़ दिया गया था। ये कॉलोनियां करीब 39 एकड़ जमीन पर बन रही थीं। जांच के दौरान डीटीपीई कार्यालय ने इन जमीनों के मालिकों और भूमाफियाओं के नाम पर जुटाए। अब इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करवाई जाएगी। बता दें कि, अप्रैल में 10 कॉलोनियों को तोड़ा गया था। इन्हें काटने के आरोप में करीब 50 जमीन मालिक और भूमाफिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो चुकी है।

इन कॉलोनियों में प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त पर रोक लग गई है। डीटीपीई कार्यालय ने तहसीलदार को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया हैं कि इन कॉलोनियों की जमीन को राजस्व रिकॉर्ड में लाल एंट्री में डाला जाए। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के डीटीपीई अमित मधोलिया ने लोगों से अपील है कि वे अवैध रूप से पनप रही कॉलोनियां में प्लॉट नहीं खरीदें। इनके ऊपर निर्मित मकान कभी भी टूट सकते है। उनकी जिंदगी भर की कमाई बर्बाद हो सकती है। भूमाफियाओं के बहकावे में नहीं आएं। प्लॉट खरीदने से पहले डीटीपीई कार्यालय में संपर्क करें। उन्होंने कहा कि किसी के बहकावे में कतई न आएं। ठग तरह-तरह के प्रलोभन देते हैं।

रजिस्ट्री पर प्रतिबंध लगने के बावजूद भूमाफिया करार या जीपीए के माध्यम से प्लॉट बेचना शुरू कर देते हैं। इसके बाद डीटीपीई ने कनिष्ठ अभियंता को आदेश जारी किए हैं कि वे इसके ऊपर नजर बनाकर रखें। यदि कोई सूचना मिलती है, तब कानूनी कार्रवाई करवाई जाए। किसी भी कॉलोनी को पनपने नहीं दिया जाए। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग ने गुरुवार को गांव साढराणा में अवैध रूप से पनप रही दो कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाया।

## 8 जून को रिलीज होगी एटनबरो की डॉक्यूमेंट्री ओशियन विद डेविड एटनबरो

### डॉक्यूमेंट्री में समुद्रों की खूबसूरती, रहस्यों और खतरों की झलक देखने को मिलेगी

**मुंबई।**

जीव विज्ञानी, इतिहासकार और लेखक डेविड एटनबरो अपनी अपकमिंग डॉक्यूमेंट्री ओशियन विद डेविड एटनबरो के साथ दर्शकों को समुद्री सफर पर जाने को लिए हैं। डॉक्यूमेंट्री की रिलीज डेट सामने आ चुकी है। उन्होंने बताया कि डेविड एटनबरो की नई डॉक्यूमेंट्री ओशियन विद डेविड एटनबरो विश्व महासागर दिवस पर यानी 8 जून को रिलीज होगी। यह डॉक्यूमेंट्री समुद्रों की खूबसूरती, उनके रहस्यों और खतरों की झलक दिखाएगी और खास अंदाज में रोचक कहानी पेश करेगी।ओशियन विद डेविड एटनबरो में समुद्री जीवन, नई प्रजातियों और पारिस्थितिकी तंत्र की खोज के साथ मछली पकड़ने की हानिकारक तकनीकों जैसे ड्रेजिंग और बॉटम ट्रॉलिंग के पर्यावरण पर बुरे प्रभावों को भी दिखाया है। मनोरंजन और रोमांच के साथ कहानी को गंभीर मोड़ दिया गया है। ओशियन विद डेविड एटनबरो समुद्री विज्ञान पर आधारित है और इसे नेशनल जियोग्राफिक प्रिस्टीन सीज के संस्थापक एनरिक साला समेत वैज्ञानिक सलाहकारों की टीम द्वारा समर्थित है। एटनबरो कहते हैं कि समुद्रों की स्थिति खराब हो रही है, लेकिन इसे ठीक करने के तरीके भी हैं। इसमें वैज्ञानिकों की सलाह और नेशनल जियोग्राफिक की मदद से समुद्रों को बचाने का संदेश दिया गया है। एटनबरो ने बताया कि मेरा जीवन महासागर की खोज पर ही आधारित है। पिछले 100 सालों में वैज्ञानिकों और खोजकर्ताओं ने नई प्रजातियों, जटिल पारिस्थितिकी तंत्रों का पता लगाया है, जो एक युवा के रूप में मेरी कल्पना से परे है। इस फिल्म में हम उन अद्भुत खोजों के बारे में बता रहे हैं, कि हमारे महासागर की स्थिति इतनी खराब क्यों है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक डॉक्यूमेंट्री को प्रस्तुत करने के लिए सर डेविड से बेहतर कोई नहीं है और मुझे खुशी है कि वह नेशनल ज्योग्राफिक के साथ पहली बार ऐसे विषय पर काम कर रहे हैं जो प्रासंगिक है और उनके दिल के करीब है। यह डॉक्यूमेंट्री नेशनल जियोग्राफिक और जियोहॉटस्टार पर 8 जून को दिखाई जाएगी।

## पहाड़ों में छिपा वो रहस्य क्यों अटकने लगती हैं सांसें चारधाम यात्रा के दौरान हुईं कई मौतें

**नई दिल्ली।**

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा चालू है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्तराखंड के चारो धामों में पहुंच रहे हैं।

इस बीच श्रद्धालुओं की मौत की खबरें भी आ रही है। ऐसे में आइए जानते है कि पहाड़ों पर क्यों लोगों की सांसें थमने लगती है। इसका क्या कराण है। साथ ही जानते हैं कि पहाड़ों पर यात्रा से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। उत्तराखंड के चार धाम केदरानाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री की यात्रा बहुत पवित्र मानी जाती है। हर साल बड़ी तादाद में श्रद्धलु इस चारधाम की यात्रा पर जाते हैं। इस बार भी ये यात्रा शुरू है। हालांकि चारधाम यात्रा के दौरान अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। आइए जानते है कि पहाड़ों पर ऐसा क्या है, जिसकी वजह से लोगों की सांसें थम जा रही हैं। साथ ही जानते हैं कि पहाड़ों पर यात्रा के समय किन बातों का खयाल रखना चाहिए। चारधाम यात्रा हर साल मई में शुरू होती है।

हिंदुओं के लिए ये यात्रा बहुत पावन मानी जाती है। हर साल लाखों श्रद्धालु चारधाम की यात्रा पर जाते हैं। इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु चारधाम पहुंचे रहे हैं, लेकिन लोगों के मन में ये सवाल है पहाड़ों पर लोगों की सासें क्यों थम रही हैं। दरअसल, चारधाम के मंदिरों की ऊंचाई समुद्र तल से तीन हजार फिट है। आप जितना ऊंचाई पर पहाड़ पर जाते हैं, हवा में ऑक्सिजन लेवल उतना कम हो जाता है। समुद्र तल में हवा में ऑक्सिजन की मात्रा 21 फीसदी बताई जाती है, लेकिन तीन हजार फीट की ऊंचाई पर जाने में हवा में ऑक्सिजन लेवल बहुत ही कम हो जाता है। इसे डॉक्टर्स और मेडिकल की भाषा में 'हाइपोक्सिया' कहा जाता है। जो लोग मैदानी क्षेत्रों से सीधे पहाड़ पर चले जाते हैं, ये हालात उन लोगों के लिए जानलेवा हो सकते हैं। डॉक्टर्स बिना किसी तैयारी के ऊंचाई पर चढ़ने से 'एक्यूट माउंटेन सिकनेस' का खतरा बढ़ने की बात कहते हैं। सिर दर्द होना, चक्कर आना, उल्टी आना और सांस फूलना इसके लक्षण हैं। कई लोग बिना मेडिकल जांच और तैयारी के पहाड़ की ओर से चल पड़ते हैं, जिससे खतरा और बढ़ता है। पहाड़ों पर जान का जोखिम सबसे ज्यादा उन लोगों को होता है, जो दिल के रोग, हाई ब्लड प्रेशर, शुगर और सांस के बिमारियों के मरीज होते हैं।

## पाकिस्तान पर बरसे मोदी, 'ऑपरेशन सिंदूर'.....उनकी शर्मनाक शिकस्त का प्रतीक

### 22 अप्रैल को इंसानियत और कश्मीरियत पर वार किया गया

**कटरा।**

शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के एक दिवसीय दौरे पर कटरा पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित कर पाकिस्तान को खूब खरीखोटी सुनाई। पीएम मोदी ने पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर कहा कि 22 अप्रैल को इंसानियत और कश्मीरियत पर वार किया गया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश का मकसद भारत में दंगे कराना था और इसकारण पहलगाम में पर्यटकों पर हमला कर उनकी बेरहमी से हत्या कर दी। पीएम मोदी ने कहा, ÷पाकिस्तान ने पहलगाम में इन्सानियत और कश्मीरियत, दोनों पर वार किया। उसका इरादा भारत में दंगे कराने का था, कश्मीर के मेहनतकश लोगों की कमाई रोकने का था, इसकारण पाकिस्तान ने टूरिस्टों पर हमला किया। उन्होंने कहा, ÷जम्मू-कश्मीर का नौजवान अब आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने का मन बना चुका है। ये वहीं आतंकवाद है, जिसने घाटी में स्कूल जलाए, अस्पताल तबाह किए, जिसने कई पीढ़ियों का भविष्य बर्बाद कर दिया। पीएम मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का भी जिक्र कर कहा, ÷आज 6 जून हैज संयोग से ठीक एक माह पहले, आज की ही रात पाकिस्तान के आतंकियों पर कयामत बरसी थी। अब पाकिस्तान कभी भी 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम सुनेगा, तब अपनी शर्मनाक शिकस्त याद आएगी। पाकिस्तानी फौज और आतंकियों ने कभी नहीं सोचा था कि भारत, पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों पर इस तरह वार करेगा। वर्षों की मेहनत से उन्होंने आतंक की जो इमारतें बनाई थीं, वे कुछ ही मिनटों में खंडहर बन गईं।

प्रोजेक्ट को लेकर पीएम मोदी ने कहा, ÷ये हमारी सरकार का सौभाग्य है कि इस प्रोजेक्ट ने हमारे कार्यकाल में गति पकड़ी और हमारी सरकार ने ही पूरा करके दिखाया। रास्ते में आने जाने की मुश्किलें, मौसम की परेशानी, लगातार पहाड़ों से गिरते पत्थरज् ये प्रोजेक्ट पूरा करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन हमारी सरकार ने चुनौती को ही चुनौती देने का रास्ता चुना है। जिस वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई गई, वह कश्मीर घाटी और जम्मू क्षेत्र के बीच पहली ट्रेन सेवा है।

## जिस सेना ने पूरे परिवार को तबाह किया उसी का समर्थन कर रहे बिलावल

### पाकिस्तान की राजनीति भारत-विरोधी रही है

**नई दिल्ली।**

पाकिस्तान के पीपीपी नेता बिलावल भुट्टो जरदारी एक बार फिर भारतीय सियासी गलियारों में चर्चा में हैं।

इस बार उन पर भारत के वरिष्ठ कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा ने निशाना साधा है, जिन्होंने पाकिस्तान की सेना के प्रति बिलावल के रुख पर सवाल उठाए हैं। देवड़ा ने कहा कि 'ये कितना हैरान करने वाला है कि बिलावल भुट्टो आज उसी पाकिस्तानी सेना का समर्थन कर रहे हैं, जिसने उनके पूरे परिवार को तबाह कर दिया। उनके दादा जुल्फिकार अली भुट्टो को सेना ने फांसी दी, उनकी मां बेनजीर भुट्टो की हत्या सेना समर्थित आतंकवादियों ने की और उनके दो मामाओं की रहस्यमय परिस्थितियों में हत्या हुई, जिसके पीछे भी सेना-आतंकवादी गठजोड़ को ही जिम्मेदार माना जाता है। फिर भी बिलावल उन्हीं का साथ दे रहे हैं।

देवड़ा का यह बयान सीधे पाकिस्तान की सत्ता संरचना पर सवाल खड़ा करता है, वह भी जब पाकिस्तान में सेना का दखल सियासत से लेकर मीडिया तक हर क्षेत्र में लगातार बढ़ता जा रहा है। बिलावल जो खुद एक नेता हैं, कई बार सेना के खिलाफ बयान दे चुके हैं, लेकिन हाल के महीनों में उनके सुर बदले नजर आ रहे हैं। वे अब पाक सेना के साथ राजनीतिक तालमेल की कोशिश करते दिख रहे हैं। देवड़ा का तंज इसी पृष्ठभूमि में आया है।भारत में यह बयान इसलिए भी अहम है क्योंकि पाकिस्तान की राजनीति में सेना की भूमिका हमेशा भारत-विरोधी नीतियों से जुड़ी है। देवड़ा ने इस मुद्दे को केवल राजनीतिक विरोध तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे 'स्मृति और नैतिकता की हार' बताया है।

## संक्षिप्त समाचार

### फिल्ममेकर विनोद छाबड़ा का निधन, इंडस्ट्री में छाया शोक

**मुंबई।**

फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर फिल्ममेकर विनोद छाबड़ा अब इस दुनिया को अलविदा कह गए। उनका गुरूवार 5 जून को कैंसर की बीमारी से जूझने हुए निधन हो गया। वह 55 साल के थे। बता दें बीते दिनों टीवी एक्टर विभु राघवे का भी कैंसर से निधन हो गया था। अब दिग्गज फिल्ममेकर के निधन से हर कोई बेहद सदमे में हैं और उनकी आत्मा की शांति की दुआ कर रहा है। इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। विनोद छाबड़ा का निधन मुंबई में हुआ। उनके निधन की खबर से फैंस और उनके चाहने वाले दुखी हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए दुआ कर रहे हैं। बता दें हाल ही में टीवी एक्टर विभू राघव का भी कैंसर से निधन हुआ था। फिल्ममेकर का अंतिम संस्कार गुरुवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। मुंबई में ही उन्हें अखिरी विदाई दी गई। बता दें, विनोद छाबड़ा ने न सिर्फ बॉलीवुड में ही नाम कमाया, बल्कि उन्होंने मलयालम, तमिल और तेलुगु, बंगाली सहित 20 से ज्यादा भाषाओं की फिल्में बनाई हैं। करीब 40 साल से विनोद इंडस्ट्री में काम कर रहे थे और उन्होंने कई हिट फिल्में भी दी।

### कैप्टन अशोक राव ने संभाली आईएनएस विक्रांत की कमान

**नई दिल्ली।**

भारतीय नौसेना के कैप्टन अशोक राव ने गुरुवार को देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत की कमान संभाल ली। उन्होंने कमोडोर बीरेंद्र एस. बैंस से यह जिम्मेदारी ली है। नौसेना के मुताबिक, अब यह जिम्मेदारी संभालने वाले कैप्टन अशोक राव नौसेना पदक से सम्मानित अधिकारी हैं। नौसेना ने बताया कि कैप्टन राव नौसेना अकादमी के 52वें कोर्स के पूर्व छात्र हैं और उनके पास युद्धपोत संचालन का समृद्ध अनुभव है। उन्होंने पहले आईएनएस विशाखापत्तनम, आईएनएस कोरा और आईएनएस निशंक जैसे प्रमुख युद्धपोतों की भी कमान संभाली है। इसके अलावा, वह कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग में रक्षा सलाहकार के रूप में भी सेवा दे चुके हैं। आईएनएस विक्रांत की कमान संभालना कैप्टन राव के लिए एक प्रतिष्ठित उपलब्धि है, जो भारतीय नौसेना की आत्मनिर्भरता और तकनीकी शक्ति का प्रतीक है। आईएनएस विक्रांत की यह नई नेतृत्व पारी भारतीय समुद्री सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी।

### बकरीद पर विट्ठल....90 हजार में, 'शेरा' व 'बिल्ला' 35 हजार में बिके

**प्रयागराज।** देश में बकरीद सात जून को है। इस लेकर बकरा बाजार में रौनक बढ़ गई है। बीते साल की अपेक्षा इस बार बकरों की कीमत बढ़ी हुई है। करेली स्थित बकरामंडी में 90 हजार में विट्ठल, 35 हजार रुपये में 'शेरा' व 'बिल्ला' बिका। विट्ठल को बेचने वाले दरियाबाद निवासी मो. जमाल ने बताया कि तीन वर्ष से बकरे को तैयार कर रहे थे। अकबरपुर निवासी एक शख्स ने विट्ठल को खरीदा है। हटिया स्थित बकरा मंडी के साथ ही दरियाबाद, करेली के रसूलपुर, असकरी मार्केट, नूरुल्ला रोड, नखासकोहना, अटाला, जीटीबी नगर में खरीददारों की भीड़ जुट रही है। कई खूबियों वाले कुर्बानी के जानवर यहां दिख रहे हैं। बकरे का कारोबार करने वालों ने बताया कि बीते वर्ष की अपेक्षा इस बार बकरों की कीमत बढ़ी है।देसी नस्ल के बकरों की कीमत 10 से 20 हजार रुपये के बीच है। यह बकरे गंगापार व यमुनापार से लाए गए हैं। वहीं, मप्र के बाकी, सियावल, दुदनिया, इमिलिया के साथ ही कौशांबी के चायल व पिपरी से बकरे लाए जाने वाले बकरे 15-25 हजार रुपये के बीच हैं। राजस्थानी बकरों की नस्लों में अलवरी, सिरोही, शेखावाटी, लोही, परबतसरी आदि भी बकरामंडी में हैं। राजस्थान से लाए गए 'शेरा' व 'बिल्ला' 35 हजार रुपये में बिके। बकरीद को लेकर बाजारों में खरीदारों की भीड़ जुटने लगी है। बच्चों को नए कपड़े दिलाने के साथ लोग टोपी, इत्र आदि की खरीददारी कर रहे है। महिलाएं भी पर्व के लिए घरेलू उपयोग की सामग्री की खरीददारी करने के लिए बाजार पहुंच रही हैं। शापिंग माल्स, चौक, सिविल लाइंस, कटरा, सुलेमसराय, कोठापार्चा आदि बाजार में दुकानों पर खरीदारों की भीड़ नजर आ रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## संक्षिप्त समाचार

### माओवादी उपाध्यक्ष को आम माफी दिए जाने के नेपाल सरकार के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया

**काठमांडू, एजेंसी।** हत्या के आरोपित माओवादी पार्टी के उपाध्यक्ष अग्नि सापकोटा को नेपाल सरकार के द्वारा माफी दिए जाने के निर्णय को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। कोर्ट ने उनके खिलाफ मुकदमा चलाने का आदेश भी दिया है। बुधवार को कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए गंभीर प्रकार के आपराधिक मामले में सरकार द्वारा छूट दिए जाने का निर्णय सही नहीं होने की बात कहते हुए उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति प्रदान की है। अदालत के इस आदेश के बाद माओवादी उपाध्यक्ष अग्नि सापकोटा के खिलाफ हत्या का मुकदमा चलाने का रास्ता साफ हो गया है। माओवादी के द्वारा दस वर्षों तक चलाए गए सशस्त्र युद्ध के समय अग्नि सापकोटा पर काभ्रे जिला के अर्जुन लामा को शारीरिक प्रताड़ना देते हुए उसकी हत्या का आदेश देने का आरोप है। करीब 20 वर्ष पहले हुए इस हत्याकांड के बाद मृतक अर्जुन लामा के माता-पिता ने माओवादी नेता अग्नि सापकोटा को नामजद अभियुक्त बताते हुए उनके खिलाफ जिला अदालत में मुकदमा दायर किया था। देश में दूसरी बार माओवादी की सरकार डा बाबूराम भट्टराई के नेतृत्व में बनने के बाद सापकोटा के हत्या के मुकदमे को आगे नहीं बढ़ाने का निर्णय किया गया था। सरकार के इस निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया गया था जिस पर बुधवार को अदालत ने अपना फैसला सुनाया है।

### संयुक्त राष्ट्र ने मेजर जनरल डिओदातो अबागनारा को युनिफिल का नया प्रमुख नियुक्त किया

**न्यूयॉर्क/बेरूत, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र ने लेबनान में तैनात संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूनिफिल) के नए प्रमुख के रूप में मेजर जनरल डिओदातो अबागनारा की नियुक्ति की घोषणा की है। वे लेफ्टिनेंट जनरल आरोल्डो लाजारो साएन्ज का स्थान लेंगे। यूनिफिल की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि अबागनारा अब इस महत्वपूर्ण शांति मिशन का नेतृत्व करेंगे, जो दक्षिण लेबनान में इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच संघर्ष विराम की निगरानी करता है। हालांकि 2006 के युद्ध के बाद आधिकारिक तौर पर संघर्ष विराम लागू है, लेकिन इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच सीमा पार हमले अब भी जारी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने हाल के महीनों में दक्षिण लेबनान में हवाई हमले तेज किए हैं, जिनमें बेरूत के दक्षिणी उपनगरों को भी निशाना बनाया गया है, ये इलाके हिज्बुल्लाह का गढ़ माने जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र का यह मिशन क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए 1978 से कार्यरत है और फिलहाल इसमें लगभग 10,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सैनिक तैनात हैं। नए प्रमुख अबागनारा को एक जटिल और संवेदनशील सुरक्षा माहौल में शांति स्थापना और मध्यस्थता की जिम्मेदारी संभालनी होगी।

### राजशाही समर्थकों का काठमांडू केन्द्रित प्रदर्शन आज से समाप्त, जिला केंद्रित प्रदर्शन की बनी रणनीति

**काठमांडू, एजेंसी।** देश में राजशाही की वापसी को लेकर चलाए जा रहे काठमांडू केन्द्रित प्रदर्शन आज से समाप्त होने की घोषणा करते हुए आगे से जिला और शहर केंद्रित प्रदर्शन करने की योजना बनाई गई है। राजशाही की वापसी को लेकर संयुक्त रूप से आंदोलन कर रहे सभी राजनीतिक दल और संस्थाओं की बुधवार को हुई बैठक के बाद काठमांडू केन्द्रित प्रदर्शन को स्थगित करने का निर्णय किया गया। इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन की अनुपस्थिति में हुई इस बैठक में पहले चरण के आंदोलन के समाप्ति की घोषणा की गई। संयुक्त जन आंदोलन संघर्ष समिति की तरफ से इसके संयोजक नवराज सुवेदी ने बुधवार की देर रात को बयान जारी करते हुए आने वाले दिन में जिला और शहर केंद्रित प्रदर्शन होने की जानकारी दी है। उन्होंने इन प्रदर्शनों में नेपाली सेना, नेपाल पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों के अवकाश प्राप्त अधिकारियों और जवानों को अधिक से अधिक सहभागी होने की अपील की है। बताया जा रहा है कि राजशाही की मांग को लेकर संयुक्त रूप से आंदोलन में उतरे राजनीतिक दल और संस्थाओं के बीच में मनमुटाव के कारण काठमांडू केन्द्रित प्रदर्शन को स्थगित करते हुए इसे प्रथम चरण का आंदोलन समाप्त होने की बात कही गई है।

### दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति चुनाव में ली जे-म्युंग की जीत

**सियोल, एजेंसी।** दक्षिण कोरिया में लंबे राजनीतिक अस्थिरता और मार्शल लॉ के बाद हुए विशेष राष्ट्रपति चुनाव में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार ली जे-म्युंग ने मंगलवार को स्पष्ट जीत दर्ज करते हुए देश के नए राष्ट्रपति बनने का गौरव हासिल किया। बुधवार सुबह साढ़े 3 बजे (स्थानीय समयानुसार) के आसपास मतों की गिनती पूरी हुई और चुनाव अधिकारियों ने घोषित किया कि ली जे-म्युंग 49 प्रतिशत से अधिक मत हासिल कर विजेता रहे। वहीं, उनके मुख्य रूढ़िवादी प्रतिद्वंद्वी किम मून-सू 41.6 प्रतिशत वोटों के साथ पीछे रह गए। दोनों के बीच 2.5 मिलियन से अधिक वोटों का अंतर रहा। जीत के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने कहा, ÷मैं देशवासियों की उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा। यह एक नया आरंभ है और अब हम आशा के साथ आगे बढ़ेंगे। हम देश की एकता, आर्थिक पुनरुत्थान और कोरियाई प्रायद्वीप में शांति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ली ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका प्रशासन अमेरिका के साथ दक्षिण कोरिया की रणनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देगा, साथ ही उत्तर कोरिया के साथ संवाद और शांति की राह को भी अपनाएगा।

# भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने बेल्जियम में आतंकवाद के खिलाफ अपना संकल्प दोहराया

**ब्रुसेल्स, एजेंसी।** भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में भारत के सभी दलों के सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने बेल्जियम में यूरोपीय संसद के सदस्यों (एमईपी) से कई अहम बैठकें कीं। इन बैठकों में भारत ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ अपने मजबूत और सख्त रुख को दोहराया। प्रतिनिधिमंडल ने यूरोपीय संसद का दौरा किया और वहां भारत से जुड़े मामलों के प्रतिनिधिमंडल, विदेश मामलों की समिति और सुरक्षा व रक्षा समिति के सदस्यों से मुलाकात की। बैठकों के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भारत के खिलाफ हो रहे सीमापार आतंकवाद पर विस्तार से जानकारी दी। खास तौर पर उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत की संतुलित और रणनीतिक प्रतिक्रिया को भी बताया। संसद में चर्चा का केंद्र आतंकवाद के खिलाफ भारत और यूरोपीय संघ के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करना रहा। इसके साथ ही उच्च स्तरीय राजनयिक बातचीत और सांसदों के बीच विचार-विमर्श जैसे अहम मुद्दों पर भी चर्चा हुई। भारतीय दूतावास के अनुसार, आतंकवाद के खिलाफ भारत का सख्त संदेश दुनिया तक पहुंचाने के लिए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने यूरोपीय संसद के सदस्यों (एमईपी) से मुलाकात की। इस दौरान सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद से निपटने, वैश्विक शांति और भारत-यूरोपीय संघ के रिश्तों को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

यूरोपीय संघ ने पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और भारत के साथ एकजुटता जताई। दूतावास ने कहा, यूरोपीय संघ को पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत की सोच-समझकर की गई जवाबी कार्रवाई के बारे में बताया गया। इससे भारत की आतंकवाद के प्रति सख्त नीति और 'जीरो टॉलरेंस' का साफ संदेश मिला। यूरोपीय संसद के सदस्यों ने भी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना और एकजुटता जताई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने ब्रुसेल्स के कुछ प्रमुख थिंक टैंकों और रणनीतिक विशेषज्ञों से भी मुलाकात की। इस दौरान वैश्विक आतंकवाद की स्थिति और ऐसे खतरों से निपटने में भारत की यूरोपीय संघ से उम्मीदों पर चर्चा हुई। इन चर्चाओं से यह साझा सोच और मजबूत हुई कि आतंकवाद से निपटने के लिए दुनिया को मिलकर एकजुट और समन्वित जवाब देना जरूरी है। रविशंकर प्रसाद ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, ÷ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान, सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर मैंने आतंकवाद, खासकर भारत को निशाना बनाने वाले सीमा पार आतंकवाद पर विस्तार से चर्चा की। हमने वहां के प्रमुख थिंक टैंकों के साथ भारत की आतंकवाद विरोधी पहलें, खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर , पर भी विचार-विमर्श किया। इन बातचीतों से यह स्पष्ट संदेश गया कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है।

### गाजा युद्ध पर विरोध के बीच आयरलैंड की प्रमुख यूनिवर्सिटी ने इजराइल से तोड़े संबंध

**डबलिन।** आयरलैंड की प्रतिष्ठित ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन ने बुधवार को घोषणा की कि वह इजराइल के साथ अपने सभी शैक्षणिक और कारोबारी संबंध समाप्त कर रहा है। यह निर्णय गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाइयों और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के कथित उल्लंघनों के विरोधस्वरूप लिया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह कदम कैंपस में हुए लगातार छात्र आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों के बाद उठाया, जिनमें इजराइल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, विश्वविद्यालय के बोर्ड ने छात्रों को एक ईमेल भेजकर सूचित किया कि अब ट्रिनिटी कॉलेज किसी भी इजराइली कंपनी के साथ व्यापार नहीं करेगा। इजराइल आधारित सभी कंपनियों से पूंजी निवेश वापस लेगा और इजराइली विश्वविद्यालयों के साथ छात्र एवं फैकल्टी आदान-प्रदान कार्यक्रमों में कोई नया समझौता नहीं करेगा। बयान में कहा गया है कि यह निर्णय इजराइल द्वारा अंतरराष्ट्रीय और मानवीय कानूनों के निरंतर उल्लंघन के मद्देनजर लिया गया है। इस फैसले को छात्रों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने बड़ी जीत बताया है। वहीं, इजराइल समर्थक समूहों ने इस निर्णय की आलोचना करते हुए कहा है कि इससे शैक्षणिक स्वतंत्रता और संवाद को नुकसान पहुंचेगा।

## अमेरिका में जहरीले फंगस की तस्करी के आरोप में चीन की वैज्ञानिक गिरफ्तार

**वाशिंगटन, एजेंसी।** संयुक्त राज्य अमेरिका में खतरनाक जहरीले फंगस (कवक) की तस्करी के आरोप में चीन की एक महिला वैज्ञानिक को पकड़ा गया है। इस फंगस का इस्तेमाल खेत-खलिहानों में फसलों को खराब करने के लिए किया जाता है। इस मामले में एफबीआई एजेंट इस महिला के पुरुष मित्र की भी तलाश कर रहे हैं। वह भी चीन की नागरिक और वैज्ञानिक है। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने कहा है कि गिरफ्तार की गई युनकिंग जियान की उम्र 33 वर्ष है। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने बयान में कहा है कि एफबीआई ने चीन की महिला नागरिक युनकिंग जियान को अमेरिका में खतरनाक खतरनाक जहरीले फंगस (कवक) के साथ गिरफ्तार किया है। जियान पर आरोप है कि उसने फ्यूजेरियम ग्रैमिनियरम नामक खतरनाक कवक की तस्करी की है। यह कृषि पर आतंकी हमला जैसा है। आरोपित आतंकवाद एजेंट है। मिशिगन विश्वविद्यालय की इस शोधार्थी की गिरफ्तारी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि यह कवक हेड ब्लाइट नामक बीमारी का कारण बनता है। यह गेहूं, जौ, मक्का और चावल में प्रवेश कर मनुष्य और पशुओं दोनों के स्वास्थ्य में गंभीर समस्याएं उत्पन्न करता है। यह कवक हर साल दुनिया भर में अरबों डॉलर के आर्थिक नुकसान के लिए जिम्मेदार है। काश पटेल ने कहा कि साक्ष्य यह भी संकेत देते हैं कि जियान ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादारी व्यक्त की। इस कवक के लिए चीन सरकार से धन प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि जियान के पुरुष मित्र जुनयोंग लियू पर भी ऐसा ही आरोप है। वह चीन के एक विश्वविद्यालय में काम करता है। लियू पर आरोप है कि उसने पहले झूठ बोला फिर स्वीकार किया कि उसने फ्यूजेरियम ग्रैमिनेरम की तस्करी भी अमेरिका में की थी, जिससे वह भी मिशिगन विश्वविद्यालय में शोध कर सके। एफबीआई निदेशक पटेल ने कहा कि इससे साबित होता है कि चीन अमेरिकी संस्थाओं में घुसपैठ करने और देश की खाद्य आपूर्ति को लक्षित करने के लिए काम कर रहा है। वह अमेरिकी जीवन और अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाना चाहता है।

### रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु उत्तर कोरिया पहुंचे

**प्योंगयांग, एजेंसी।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निर्देश पर रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग पहुंचे हैं। उनका उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन से मिलने का कार्यक्रम है। यह तीन महीने से भी कम समय में प्योंगयांग की दूसरी यात्रा है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास की खबर के अनुसार दोनों नेताओं के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी पर रूस-डीपीआरके संधि के कुछ प्रावधानों के कार्यान्वयन और कुर्स्क क्षेत्र को मुक्त करने में मदद करने वाले कोरियाई योद्धाओं की स्मृति को बनाए रखने के प्रयासों पर चर्चा करने की उम्मीद है। इसके अलावा दोनों पक्षों के यूक्रेन के आसपास की स्थिति सहित अंतरराष्ट्रीय एजेंडे के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने की उम्मीद है। शोइगु की उत्तर कोरिया की पिछली यात्रा 21 मार्च को हुई थी। उस समय किम जोंग उन ने उनका स्वागत किया था और उनकी बातचीत लगभग दो घंटे तक चली थी। शोइगु ने कहा कि उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता को पुतिन का संदेश दिया। उन्होंने यूक्रेन और रूस-अमेरिका वार्ता की शुरुआत पर चर्चा की। उन्होंने उत्तर कोरिया के राज्य सुरक्षामंत्री री चांग डे से भी मुलाकात की थी।

# विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के साथ भारत यूएन आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के लिए निर्वाचित

**संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी।** भारत को संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) के लिए 2026 से शुरू होने वाले तीन साल के कार्यकाल के लिए चुना गया है। भारत को 187 में से 181 वोट मिले। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर कहा कि भारत विकास के मुद्दों को बढ़ावा देने और ईसीओएसओसी को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने समर्थन देने वाले देशों और भारत के यूएन मिशन के राजनयिकों को धन्यवाद दिया। यह भारत का ईसीओएसओसी में कम से कम 18वां कार्यकाल होगा। भारत 2008 से 2020 तक चार कार्यकाल पूरे कर चुका है। ईसीओएसओसी यूएन का मुख्य निकाय है, जिसमें 193 सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व होता है। यह सतत विकास और आर्थिक मामलों पर काम करता है। इसमें 54 सदस्य हैं, जिनमें से एक-तिहाई हर तीन साल में बदलते हैं।

इस साल 18 सीटों के लिए चुनाव हुआ। एशिया-प्रशांत क्षेत्र की चार सीटों के लिए भारत, चीन, लेबनान और तुर्कमेनिस्तान चुने गए। चीन को 180, लेबनान और तुर्कमेनिस्तान को 183-183 वोट मिले। पूर्वी यूरोप ग्रुप में यूक्रेन ने रूस को पछाड़ दिया, जिसके कारण उसे पहले मतदान में क्षेत्र की तीन सीटों में से एक सीट जीतने के लिए

पर्याप्त वोट नहीं मिल पाए। ऐसे में उसे दूसरे चरण में हिस्सा लेना पड़ा। चूंकि क्षेत्र ने तीन सीटों के लिए कोई सूची नहीं बनाई थी, इसलिए तीन सीटों के लिए पांच उम्मीदवार थे। यूक्रेन 130, जबकि क्रोएशिया 140 वोटों के साथ पहले चरण में चुने गए, जिन्होंने दो-तिहाई वोट जीते। रूस 108 वोटों के साथ अपने सहयोगी बेलारूस के खिलाफ दूसरे चरण में हिस्सा लेने के लिए मजबूर हुआ। उसे 96 वोट मिले, जबकि सबसे कम वोट पाने वाला उत्तरी मैसेडोनिया 59 वोटों के साथ बाहर हो गया। 23 देशों ने रनऑफ में मतदान से परहेज किया, जिससे दो-तिहाई बहुमत की सीमा कम हो गई और रूस ने बेलारूस के 46 के मुकाबले 115 वोटों से जीत हासिल की। अमेरिका और जर्मनी ने इटली और लिकटेंस्टीन के अपने सीटों से इस्तीफा देने के कारण ईसीओएसओसी के लिए उप-चुनाव जीते। भारत अपने पड़ोसियों पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका के साथ ईसीओएसओसी में शामिल होगा।

## अमेरिका में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने कहा, पाकिस्तान के प्रति कोई सहानुभूति नहीं, भारत के प्रति पूर्ण समर्थन

**वाशिंगटन, एजेंसी।** कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाला भारतीय सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका दौरे पर है। अमेरिका में भारतीय सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने कहा है कि कई देशों में उसके साथ हुई बातचीत से यह स्पष्ट हो गया है कि पाकिस्तान के प्रति कोई सहानुभूति नहीं है और सीमापार आतंकवाद पर भारत के रुख को लेकर वैश्विक समर्थन बहुत अधिक है। प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख और कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ÷हम हर देश में जो करने की कोशिश कर रहे हैं, वह यह है कि हम घटनाओं के बारे में अपना दृष्टिकोण, पिछले कुछ हफ्तों के अपने अनुभव को समझाएं, और उन लोगों की एकजुटता और समझ की कोशिश करें जिनसे हम मिलते हैं और बात करते हैं। उन्होंने कहा, ÷मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि अब तक हम जिन लोगों से मिले हैं, उन सभी ने न केवल भारत पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और आतंकवाद के खिलाफ भारत के

आत्मरक्षा के अधिकार का भी स्पष्ट रूप से समर्थन किया है और ऐसी समझ का बहुत स्वागत किया गया है। थरूर ने पहलगाम आतंकवादी हमले को कश्मीर में आर्थिक और सामाजिक आशावाद के समय में एक गंभीर रुकावट बताया। उन्होंने कहा, ÷कश्मीर में तेजी से विकास हो रहा था। आम कश्मीरी भारी संख्या में पर्यटकों के आने से लाभान्वित हो रहे थे। उनको आर्थिक रूप से काफी अवसर मिल रहे थे। यह एक अच्छा समय था। कश्मीर में छुट्टियां मनाने आए पर्यटकों के एक मासूम समूह की निर्मम हत्या की जा रही है, लोग आकर उनसे उनका धर्म पूछ रहे हैं और उनकी आंखों की सामने गोली मार रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷इसके बाद सरकार ने जो कुछ भी करने का निर्णय लिया, राष्ट्र ने एकजुट होकर उसका समर्थन किया। हममें से अधिकांश लोग जो चाहते थे, सरकार ने अंत में वहीं निर्णय लिया है। उन्होंने भारत की सुनियोजित सैन्य प्रतिक्रिया और युद्ध विराम के बारे में भी बताया।

## एलन मस्क को ट्रंप का टैक्स कट्स और खर्च विधेयक पसंद नहीं आया, बताया-घिनौना अभिशाप

**वाशिंगटन, एजेंसी।** दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व सहयोगी एलन मस्क को टैक्स कट्स और खर्च विधेयक पसंद नहीं आया। मस्क ने इसे घिनौना अभिशाप की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि अब बर्दाश्त से बाहर है। मस्क ने एक्स पर लिखा, ÷मैं इसे अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता। ट्रंप की घरेलू प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से बनाया गया व्यापक नीतिगत विधेयक अपमानजनक और अश्लील है। सीबीएस न्यूज के अनुसार मस्क ने लिखा, जिन लोगों ने इसके पक्ष में वोट दिया, उन्हें शर्म आनी चाहिए। वह लोग जानते हैं कि उन्होंने गलत किया है। ऐसे लोगों ने अमेरिकी लोगों के साथ विश्वासघात किया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस आलोचना का जवाब दिया है। उन्होंने दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि ट्रंप पहले से ही जानते हैं कि इस विधेयक पर एलन मस्क का क्या रुख है। इससे राष्ट्रपति की राय नहीं बदलती। मस्क ने हाल ही में ÷सीबीएस संडे मॉर्निंग÷ को दिए साक्षात्कार में कहा कि वह इस विधेयक से निराश हैं। यह विधेयक पैकेज घाटे को बढ़ाता है और सरकारी दक्षता विभाग को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक अच्छा और मनभावन हो सकता था। इस बीच कुछ

रिपब्लिकन सीनेटरों ने मंगलवार को मस्क की भावना का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि विधेयक अब सीनेट के हाथों में है। सदन में वापस जाने से पहले इसमें बदलाव होने की उम्मीद है। केंटकी के सीनेटर रैंड पॉल ने कहा कि राष्ट्रपति को इस संबंध में मस्क से सलाह लेनी चाहिए।विस्कॉन्सिन के सीनेटर रॉन जॉनसन ने कहा कि विधेयक में बदलाव होना चाहिए। वह मस्क की चिंता का समर्थन करते हैं। जॉनसन ने कहा, मुझे बहुत खेद है कि उन्होंने यह गलती की है।÷ यूटा के सीनेटर माइक ली ने कहा कि सीनेट को इस विधेयक को बेहतर बनाना होगा।

## अमेरिकी कांग्रेस की बैठक में भारत को पूर्ण समर्थन और एकजुटता : मिली : थरूर

**वाशिंगटन, एजेंसी।** भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को अमेरिकी सांसदों से मुलाकात की और कहा कि आतंकवाद से लड़ने में भारत को उनसे पूर्ण समर्थन और एकजुटता मिली है। यह बात कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कही, जो प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारे पास एक भी संदेहपूर्ण या नकारात्मक आवाज नहीं थी। इसके विपरीत, हमें जो मिला वह बहुत ही सकारात्मक प्रतिक्रिया थी। उन्होंने कहा कि भारत और आतंकवाद के खिलाफ उसकी लड़ाई के प्रति पूर्ण समर्थन और एकजुटता थी और आतंकवाद के खिलाफ भारत के आत्मरक्षा के अधिकार के प्रति पूर्ण समझ व्यक्त की गई। आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता का संदेश देने तथा ऑपरेशन सिंदूर के औचित्य को समझाने के अपने मिशन पर, टीम थरूर ने कांग्रेस के इंडिया कॉकस; सदन की विदेश मामलों की समिति के सदस्यों, जिनमें दक्षिण एशिया और पूर्वी एशिया उपसमितियों के दो अध्यक्ष शामिल थे, तथा छह सीनेटरों के एक समूह से मुलाकात की, जिनमें से पांच विदेश संबंध समिति के तथा एक खुफिया समिति के सदस्य थे। थरूर की बात को प्रतिनिधिमंडल से मिलने वाले कांग्रेस सदस्यों ने भी दोहराया। इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष, डेमोक्रेट प्रतिनिधि रो खन्ना ने एक्स पर पोस्ट किया, 22 अप्रैल के हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकवादी समूहों को खत्म करने के महत्व पर अमेरिका-भारत ने चर्चा की÷, पहलगाम में 26 निर्दोष लोग मारे गए थे। रिपब्लिकन सीनेटर डेव मैककॉर्मिक ने एक्स पर कहा कि सीनेट की विदेश संबंध समिति के सदस्यों के साथ बैठक में,

÷हमने अमेरिका और भारत के बीच साझा मूल्यों, आतंकवाद से लड़ने और सत्तावादी राज्यों के खिलाफ़ प्रतिरोध पर चर्चा की, साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक भविष्य के निर्माण के लिए अपने आर्थिक संबंधों का विस्तार किया। मैककॉर्मिक दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और आतंकवाद प्रतिरोध पर सीनेट की विदेश संबंध उपसमिति के प्रमुख हैं। प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स, जो सदन की विदेश मामलों की समिति के शीर्ष डेमोक्रेट हैं, उन्होंने थरूर को विदेश मामलों पर भारत की संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में बधाई दी। उन्होंने एक्स पर कहा, मैंने और मेरे सहयोगियों ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर संवेदना व्यक्त की तथा अमेरिका-भारत साझेदारी के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की। थरूर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, मोटे तौर पर कहें तो हम बातचीत की गुणवत्ता और रुचि के स्तर से बहुत प्रसन्न होकर लौटे हैं। वाशिंगटन आने से पहले, टीम थरूर ने गुयाना, पनामा, कोलंबिया और ब्राजील का दौरा किया था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# सूरत पुणा गांव की भाग्योदया इंडस्ट्री में साड़ी की फैक्ट्री में दो राउंड फायरिंग

## मालिक से कह देना कि 10 लाख रुपये तैयार रखे।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पुणा गांव में साड़ी की फैक्ट्री में दो राउंड फायरिंग की घटना सामने आई है। भाग्योदय इंडस्ट्री की पहली मंजिल पर मालिक के साथ विवाद होने पर एक पुराने कारीगर और उसके साथ आए एक शख्स ने दो राउंड फायरिंग की और मोबाइल लूटकर फरार हो गए। जाते-जाते आरोपी ने कारीगरों से कहा कि मालिक से कह देना कि 10 लाख रुपये तैयार रखे। घटना की जानकारी मिलते ही पुणा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। जांच में शहर की क्राइम ब्रांच की टीम भी जुड़ गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों को पकड़ने की कार्रवाई शुरू की गई है।



मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के पुणा इलाके में स्थित भाग्योदय इंडस्ट्री की पहली मंजिल पर मदनसिंह भाटी साड़ी की फैक्ट्री चलाते हैं। बीते दिन (5 जून) दोपहर को फैक्ट्री में तीन कारीगर - मोहम्मद समीर कमरुद्दीन अंसारी, देवेंद्रकुमार धधीबलप्रसाद भारती और राकेश सहानी मौजूद थे। करीब साढ़े बारह बजे डेढ़ साल पहले फैक्ट्री में काम कर चुका कारीगर दिलीपसिंह वहां आया। उसके पास बंदूक थी। उसके साथ एक अन्य अज्ञात शख्स भी था। दोनों ने फैक्ट्री में घुसकर दरवाजा बंद किया और ऑफिस के कांच पर दो-तीन राउंड फायरिंग कर दी।

बाद में दोनों आरोपियों ने तीनों कारीगरों को इकट्ठा करके नीचे बैठा दिया। फिर फैक्ट्री में लगे CCTV कैमरे तोड़ दिए। इसके बाद गालियां देते हुए कहा - "आपको इस फैक्ट्री में काम करने से मना किया था, फिर भी यहां क्यों काम कर रहे हो?" कहकर उन्हें डराया-धमकाया और बोले कि बाहर नहीं जाना है।

इसके बाद तीनों कारीगरों को थप्पड़ मारे और उनके मोबाइल फोन व नकद रुपये मिलाकर 10,000 से ज्यादा की लूट की। जाते-जाते धमकी दी कि "अगर दोबारा काम करने आए तो जान से मार देंगे।"

साड़ी फैक्ट्री के मालिक मदनसिंह भाटी ने बताया कि मैं मार्केट में था और मेरी फैक्ट्री में दो शख्स घुस आए थे, जिनमें से एक मेरा पुराना कारीगर था, जो करीब डेढ़ साल पहले काम करता था। इन दोनों ने कारीगरों को धमकाया और कहा कि यहां काम नहीं करना है। इसके साथ ही दो राउंड फायरिंग भी की। मोबाइल और रुपये की लूट करने के बाद जाते-जाते उन्होंने धमकी दी - च्अपने मालिक से कह देना कि 10 लाख रुपये तैयार रखेज्ञ्ज इसके बाद वे फरार हो गए।

इस मामले में पीआई वी.एम. देसाई ने बताया कि कल दोपहर करीब साढ़े बारह बजे शिकायतकर्ता की फैक्ट्री में पहले काम कर चुका दिलीपसिंह उर्फ दीपक आया था। उसने पहले जिन कारीगरों से झगड़ा किया था, उनके वहां काम करने को लेकर धमकी दी और दो से तीन राउंड फायरिंग कर मौके से भाग गया।

इस आधार पर शिकायत दर्ज कर ली गई है और आरोपी की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज, फोटो आईडी और मोबाइल नंबर के आधार पर तीन अलग-अलग टीमें बनाकर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

आरोपी करीब एक से डेढ़ साल पहले शिकायतकर्ता की फैक्ट्री में काम करता था। आरोपी तीन कारीगरों के मोबाइल और 300 रुपये नकद लूटकर फरार हो गया।

## सूरत में हुए इंटरनेशनल साइबर फ्रॉड का खुलासा।

# सिर्फ 6 महीनों में RBL बैंक में खोले गए 89 खातों से 1445 करोड़ रुपये के लेन-देन का खुलासा हुआ

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में गत 27 मई को उधना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान दो लोगों को पकड़ा और एक इंटरनेशनल ऑनलाइन साइबर ठगी रैकेट का भंडाफोड़ किया था। अब इस केस में एक नया खुलासा हुआ है। जांच के दौरान पुलिस को 164 बैंक अकाउंट्स मिले हैं। इनमें से ऋक्करुबैंक में खोले गए 89 खातों से केवल छह महीनों में कुल 1,445 करोड़ रुपये के ट्रांजेक्शन सामने आए हैं, जबकि अभी 75 बैंक खातों की जांच बाकी है।

पुलिस ने बताया कि अधिकतर बैंक अकाउंट्स लोन दिलवाने के बहाने खुलवाए गए थे। इस साइबर फ्रॉड मामले में किरात जादवाणी, मित खोकर और मयूर इटालिया की गिरफ्तारी हो चुकी है। पूरे मामले में दिव्येश, विनीत और 'रिच पे' आईडीधारक जैसे आरोपी मुख्य मास्टरमाइंड के रूप में सामने आए हैं।



लोगों से बैंक अकाउंट खुलवाने के नाम पर डॉक्युमेंट लिए जाते थे। फिर उन्हें बताया जाता था कि डॉक्युमेंट पूरे नहीं हैं, इस बहाने से वे दस्तावेज अपने पास रख लेते थे और बाद में उन्हीं के नाम पर बैंक अकाउंट खोल लेते थे। इसके बाद खाता धारक को बिना जानकारी दिए साइबर ठगी की रकम उन खातों में ट्रांसफर की जाती थी। पुलिस का कहना है कि जांच में अभी और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

## सूरत जिले में लोक शिकायत निवारण हेतु स्वागत कार्यक्रम

# 24 मई को तालुका स्तर पर और 26 मई को जिला स्तर पर आयोजित किया जाएगा

## शिकायतें 10 तारीख से दर्ज कराई जा सकेंगी।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मुख्यमंत्री के स्वागत ऑनलाइन कार्यक्रम के अंतर्गत सुरत जिले में लोगों की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए विशेष आयोजन किया गया है। दिनांक 24 जून को सुबह 11 बजे जिला कलेक्टर एक तालुका में उपस्थित रहेंगे।

दिनांक 25 जून को सुबह 11 बजे सभी तालुकाओं में वर्ग-1 के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। अड़ाजन में पुलिस कमिश्नर, उधना में मुख्य कारोबारी अधिकारी और मजूरा में सुरत ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहेंगे। बारडोली, मंडवी, ओलपाड़ और कामरेज में प्रांत अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

आवेदकों को अपने प्रश्नों और प्रस्तुतियों के लिए प्रत्येक माह की 10 तारीख तक आवेदन करना होगा। आवेदन में पता और संपर्क नंबर के साथ च्मेरी आवेदन तालुका स्वागत में लेनी हैज् ऐसा शीर्षक लिखकर अपने गांव के तलाटी को सौंपना होगा।

इस कार्यक्रम में कोर्ट से संबंधित, नीति विषयक और सेवा संबंधी मामलों को छोड़कर ऐसे प्रश्नों का समाधान किया जाएगा जो संबंधित कार्यालय में लंबित हों। जिला स्तर के प्रश्नों के समाधान के लिए आवेदन जिला स्वागत कार्यक्रम में भेजना होगा।

# सूरत में कोरोना के 7 नए मामले सामने आए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में प्रतिदिन कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं। बीते 24 घंटों में सूरत सिटी में कोरोना के 7 नए केस सामने आए हैं, जिनमें एक महिला जज भी संक्रमित पाई गई हैं। छह मरीज होम आइसोलेशन में हैं और एक मरीज अस्पताल में भर्ती है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आज कुल 7 मरीजों की रिपोर्ट कोविड-19 पॉजिटिव आई हैः

1.पहले मरीज 24 वर्षीय पुरुष (निवासी - लाल दरवाजा), नौकरीपेशा। वर्तमान में होम आइसोलेशन में हैं। उन्हें थायरॉइड की परेशानी है और हालत स्थिर है।

2.दूसरे मरीज 77 वर्षीय पुरुष (निवासी - वेसु), रिटायर्ड। होम आइसोलेशन में हैं, उन्हें ब्लड प्रेशर की समस्या है और स्थिति स्थिर है।

3.तीसरी मरीज 71 वर्षीय महिला (निवासी - घोड़दौड़ रोड), गृहिणी। होम आइसोलेशन में हैं, ब्लड प्रेशर और थायरॉइड की समस्या है। हालत स्थिर है।

4.चौथे मरीज 52 वर्षीय पुरुष (निवासी - पालनपुर जकातनाका), नौकरीपेशा। उन्हें डायबिटीज की समस्या है और वे सूरत जनरल अस्पताल में भर्ती हैं, हालत स्थिर है।

**संक्रमितों में एक महिला जज भी शामिल हैं। 6 मरीजों को होम आइसोलेशन में रखा गया है, जबकि एक मरीज को अस्पताल में भर्ती किया गया है।**

5.पांचवीं मरीज 40 वर्षीय महिला (निवासी - वराछा), गृहिणी। वे 25 मई 2025 को उत्तर प्रदेश से लौटी थीं। वर्तमान में होम आइसोलेशन में हैं और स्थिति सामान्य है।

6. छठी मरीज 56 वर्षीय महिला (निवासी - पार्ले प्वाइंट), सामाजिक कार्यकर्ता। वे 1 मई को कोल्हापुर से लौटी थीं। उन्हें डायबिटीज है, होम आइसोलेशन में हैं और स्थिति स्थिर है।

7.सातवीं मरीज 38 वर्षीय महिला जज (निवासी - अठवालाइंस)। वे 25 मई को द्वारका से लौटी थीं। वर्तमान में होम आइसोलेशन में हैं और तबीयत स्थिर है।

सभी मरीजों के सैंपल सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए GBRC, गांधीनगर भेजे गए हैं।

# फेसबुक से दोस्ती करके सुरत के युवक को दमण के होटल में लूट लिया

## सोने की चन, ब्रेसलेट और फोन लूटने वाली 2 महिलाओं समेत कुल 3 गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के एक युवक को सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती करके दमन के एक होटल में बुलाया गया, जहां उसे शराब पिला कर नशे में किया गया और फिर दो महिलाओं ने उसके साथ लूटपाट की और फरार हो गईं। दमन पुलिस ने लूटपाट करने वाली दोनों महिलाओं और चोरी का सामान खरीदने वाले युवक को गिरफ्तार कर मामले की आगे जांच शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया के जरिए धनी लोगों से दोस्ती कर पार्टी का बहाना बनाकर होटल में बुलाकर लूटपाट करने वाली इस महिला गिरोह को दमन पुलिस ने पकड़ लिया है।

कुछ दिन पहले नानी दमन के कड़ैया थाना में शिकायत दर्ज हुई कि सूरत का एक व्यापारी युवक फेसबुक के जरिए रिया सिंह नामक महिला से दोस्ती कर रहा था। सोशल मीडिया पर लगातार बात-चीत से रिया सिंह और युवक के बीच विश्वास बढ़ गया था। 14 मई को रिया सिंह और उसकी बहन लाली के साथ वे कार लेकर दमन घूमने आए, जिसमें सूरत का युवक भी था। दमन के सी फेस और अन्य इलाकों में घूमते हुए वे एक होटल में रुक गए।

रात को दोनों महिलाओं ने युवक को शराब पिला दी और उसे नशे की हालत में बेहोशी की स्थिति में छोड़ दिया। जब युवक होश में आया, तो दोनों महिलाएं होटल के कमरे से गायब थीं। साथ ही युवक की सोने की चैन, ब्रेसलेट और मोबाइल फोन भी चोरी हो चुका था। लूटा गया युवक यह महसूस कर कड़ैया दमन पुलिस थाने में दोनों महिलाओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

उच्च पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर दमन पुलिस ने दोनों महिलाओं की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर दोनों महिलाओं की पहचान की गई और उन पर नजर रखी गई। हालांकि, दोनों महिलाएं बार-बार लोकेशन बदलती थीं, जिससे पुलिस को पकड़ने में कठिनाई हुई।

अंततः पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया जिनकी पहचान रामलाली संजय शहादे, निवासी नई सुडा वसाहत, वेसु - सूरत और कंचन लता सिंह, निवासी शिवम रेसिडेंसी, वेदनगर कामरेज - सूरत के रूप में हुई।

## रासायनिक कचरे के अवैध निपटान का पर्दाफाश

# अंकलेश्वर में 39 हजार किलो खतरनाक रसायनिक कचरा भरकर ले जा रही ट्रक पकड़ी

## 6 के खिलाफ मामला दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

अंकलेश्वर बी डिविजन पुलिस ने आमलाखाड़ी ब्रिज के पास खतरनाक रसायनिक कचरे की अवैध हेरफेर करते हुए एक ट्रक पकड़ ली है। पुलिस को मिली सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई थी।

PSI ए.बी. सोलंकी और उनकी टीम को सूचना मिली थी कि अंकलेश्वर GIDC की नंदोसल इंडस्ट्रीज से मिट्टी जैसा काला रंग का खतरनाक कचरा ट्रक में भरा गया है। इस कचरे को मांगरोल तहसील के छोटे बोरसरा गांव की शुभम फर्टिलाइजर कंपनी में खाली किया जाना था।

पुलिस ने ट्रक से 39,720 किलो खतरनाक रसायनिक कचरे की मात्रा जब्त की है। ट्रक सहित कुल 7 लाख से अधिक मूल्य के सामान को कब्जे में लिया गया है। ट्रक चालक सुनिल खुमान वसावानी से पूछताछ में पता चला कि यह कचरा नंदोसल इंडस्ट्रीज के मैनेजर सोहेल नंदोलिया ने यासीन उस्मान दिवान के माध्यम से भरा था।



पुलिस ने ट्रक के मालिक भरत भरवाड़, यासीन उस्मान, कंपनी के मैनेजर सोहेल नंदोलिया, कंपनी के मालिक इशाक सुलैमान नंदोलिया और शुभम फर्टिलाइज़र कंपनी के व्यवस्थापक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे जांच शुरू कर दी है।

# PTM टेक्सटाइल मार्केट में कपड़े के व्यापारी ने अचानक बेहोश होकर मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में लोगों के अचानक बेहोश होकर मौत के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। पिछले 24 घंटों में दो युवकों की अचानक बेहोशी के बाद मौत हो गई, जिनमें से एक 27 वर्षीय युवक कपड़ा व्यापारी था, जो अपने दुकान में ही बेहोश होकर मर गया। PTM टेक्सटाइल मार्केट में ऋषभ गांधी नाम का युवक अपने दुकान पर बैठा था। इसी दौरान उसने पीने के लिए पानी की बोतल हाथ में ली, लेकिन पानी की बोतल का ढक्कन खोलने से पहले ही वह बेहोश हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से राजस्थान और पर्वत पाटिया क्षेत्र का रहने वाला 27 वर्षीय ऋषभ गांधी था। परिवार में माता-पिता और एक बहन है। ऋषभ सूरत में अपनी बहन के साथ रहता था और माता-पिता अपने वतन में रहते हैं। ऋषभ ने दो साल पहले दोस्तों और सगे-संबंधियों के साथ मिलकर पद्मावती टेक्सटाइल मार्केट में कपड़ों की दुकान शुरू की थी। इसी दौरान पांच दिन पहले उसकी सगाई भी हुई थी।

कल शाम ऋषभ अपनी दुल्हन और दोस्तों के साथ दुकान में बात कर रहा था। इस दौरान पानी पीने के लिए पानी की बोतल लेकर ढक्कन खोलने से पहले ही वह अचानक गिर पड़ा। दुल्हन सहित दोस्तों ने उसे CPR देकर बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह हिलने-डुलने की स्थिति में नहीं था। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश की गई। हालांकि उसका वजन लगभग 100 किलो था और उसे उठाना मुश्किल था, इसलिए उसे कुर्सी में बिठाकर लिफ्ट से लेकर पार्किंग तक ले जाया गया।

ऋषभ को कार में निजी अस्पताल ले जाया गया था, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। युवा कपड़ा व्यापारी ऋषभ गांधी की मौत के बाद परिवार में शोक का माहौल व्याप्त हो गया। चूंकि परिवार वाले अपने वतन में थे, इसलिए मृतदेह को राजस्थान ले जाया गया। युवा कपड़ा व्यापारी की मौत की खबर से टेक्सटाइल मार्केट में भी गहरा दुख व्यक्त किया गया।

# निर्जला एकादशी पर बस्ती के बच्चों को सामान का किया वितरित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर शबरी बस्ती में बच्चों को सामान वितरित किए गया। महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया की इस अवसर पर बच्चों को आम, नोटबुक, स्टेशनरी आदि वितरित किए गए एवं पौष्टिक आहार में दही भी दिया गया।



कार्यक्रम के अंत में बच्चों द्वारा गायत्री मंत्र का जाप किया गया।

इस मौक़े पर महिला शाखा की रुचिका रुंगटा, सीमा कोकरा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।